शुक्रवार
03 जून 2022

पृष्ठ 4

घर पर आसानी से बनाया जा सकता है डियोड्रेंट, जानिए तरीके

पृष्ठ 5

लोगों को जोड़ने वाली फिल्म से ज्यादा खूबसूरत कुछ नहीं: फातिमा सना शेख

● देहरादून
● वर्ष 30
● अंक 122
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

मेहनत करने से दरिद्रता नहीं रहती, धर्म करने से पाप नहीं रहता, मौन रहने से कलह नहीं होती और जागते रहने से भय नहीं होता।
चाणक्य

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

email: doonvalley_news@yahoo.com
Website: dunvalleymail.com
आर.एन.आई.- 59626/94

धाकड़ धामी: चंपावत में रचा इतिहास

विशेष संवाददाता

देहरादून। चंपावत उपचुनाव के नतीजे जहां भाजपा और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के पक्ष में रहे हैं, वहीं इस चुनाव ने कांग्रेस को एक बार फिर घोर निराशा के समंदर में फेंक दिया है। एकतरफा इस मुकाबले में सीएम धामी ने 55025 मतों के अंतर से कांग्रेस प्रत्याशी निर्मला गहतोड़ी को हराकर एक इतिहास रच दिया है वहीं कांग्रेस प्रत्याशी सिर्फ 3233 वोट ही हासिल कर सकी हैं और उनकी जमानत भी नहीं बच सकी है।

चंपावत विधानसभा सीट पर 31 मई को हुए मतदान का आज चुनाव परिणाम आ गया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को इस चुनाव में कुल 58258 वोट मिले हैं जबकि कांग्रेस प्रत्याशी निर्मला गहतोड़ी 3233 वोटों पर सिमट गई। निर्वाचन आयोग द्वारा जारी आंकड़ों के हिसाब से मुख्यमंत्री धामी को 55025 वोटों से विजयी घोषित किया गया है। उत्तराखंड में अब तक हुए विधानसभा चुनाव में यह सबसे बड़ी जीत है। इससे पूर्व विजय बहुगुणा ने सितारगंज सीट से लड़े उपचुनाव में 40 हजार से अधिक मतों से जीत दर्ज की थी।

❑कांग्रेस प्रत्याशी को 55025 मतों से हराया
❑निर्मला गहतोड़ी को 3233 मत, जमानत हुई जब्त
❑उत्तराखंड में अब तक किसी को नहीं मिली इतनी बड़ी जीत

उल्लेखनीय है कि आज भी मतगणना के पहले राउंड से ही मुख्यमंत्री धामी ने बढ़त बना ली थी जो हर एक राउंड के बाद बड़ी और बड़ी बढ़त बनती चली गई। किसी भी राउंड में कांग्रेस प्रत्याशी सीएम धामी के आसपास भी पहुंचती नहीं दिखी और अंतिम राउंड जब खत्म हुआ तो यह मतांतर 55025 वोटों तक पहुंच चुका था। इस उपचुनाव में हालांकि पहले ही दिन से यह साफ झलक ने लगा था कि कांग्रेस कहीं भी मुकाबले में नहीं है और भाजपा प्रत्याशी सीएम धामी की ही जीत होना तय है लेकिन यह जीत इतने बड़े अंतर से हो सकती है इसका अनुमान किसी को भी नहीं था। खटीमा सीट से चुनाव हारने के बावजूद

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

धन्यवाद के लिए शब्द नहीं: धामी

❑जनता को दिलाया हर समस्या के समाधान का भरोसा

विशेष संवाददाता

बनबसा। चुनाव परिणाम आने के बाद बनबसा कैंप कार्यालय पहुंचे मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने चंपावत की जनता का धन्यवाद करते हुए कहा कि आपने मुझे जो समर्थन दिया है जो प्यार दिया है उसकी अभिव्यक्ति के लिए मेरे पास शब्द नहीं है। उन्होंने कहा कि चंपावत की जनता का मैं हमेशा ऋणी रहूंगा। मैंने इस तरह के प्यार और समर्थन की कल्पना भी नहीं की थी। उन्होंने अपने संबोधन में कुछ लोगों का नाम लेने के बाद कहा कि मैं किस-किस का नाम लूं आप सभी का प्यार और समर्थन मिला है। उन्होंने कहा कि जब मैं पहली बार यहां आया था तो मेरे मन में डर था निर्णय आसान नहीं था लेकिन आप के समर्थन में आपके प्यार ने मेरी आशंका को गलत साबित कर दिया है। मैं हृदय से आपका आभारी हूं। आप के समर्थन और प्यार के एवज में आपको इस देवभूमि से भरोसा दिलाता हूं कि आपकी सभी समस्याओं के समाधान का हर संभव प्रयास करूंगा मैं इसके लिए संकल्पबद्ध हूं।

इस अवसर पर मौजूद निवर्तमान विधायक कैलाश गहतोड़ी ने भी जनता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पुष्कर सिंह धामी को आपने जो समर्थन दिया है वह मेरे विधायकी छोड़ने के निर्णय के सही होने पर लगी एक मोहर है। आपने मेरे निर्णय का समर्थन कर यह साबित कर दिया है कि आपको मुझ

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

टारगेट किलिंग की बढ़ती घटनाओं के बीच कश्मीर घाटी से सरकारी कर्मचारियों का पलायन जारी!

श्रीनगर। कश्मीर में बिगड़ते हालात और टारगेट किलिंग की बढ़ती घटनाओं के बीच सरकारी कर्मचारियों का पलायन जारी है। जानकारी के मुताबिक बड़ी संख्या में सरकारी सेवाओं में शामिल लोग घाटी छोड़ रहे है। बताया जा रहा है कि इन लोगों में अधिकांश अल्पसंख्यक समुदाय से है। खबरों के मुताबिक कुलगाम और बडगाम में रहने वाले अल्पसंख्यक सरकारी कर्मचारी घाटी छोड़कर जम्मू क्षेत्र की ओर आ रहे है।

बता दें कि पिछले कई दिनों से कश्मीर में टारगेट किलिंग की घटनाएं लगातार बढ़ रही है। आतंकी चुन चुन कर राज्य में अल्पसंख्यक समुदाय से ताल्लुक रखने वाले हिंदुओं को निशाना बना रहे है। बताया जा रहा है कि आतंकी पिछले २६ दिन में १० लोगों की हत्या कर चुके है। बता दें कि कश्मीर में आतंकियों का आम नागरिकों को निशाना बनाना लगातार जारी है। कल कुलगाम में एक आतंकी ने बैंक मैनेजेर की गोली मारकर हत्या कर दी। इसी बीच हत्याकांड का सीसीटीवी वीडियों भी सामने आ गया है। जिसमें हाथ में एक थैला लेकर एक शख्स बैंक के अंदर दाखिल होता है। सबसे पहले वो आस–पास देखता है फिर थेले से बंदूक निकालकर सामने खड़े बैंक मैनेजर पर फायरिंग कर देता है।

गौरतलब है कि कश्मीर में टारगेट किलिंग की घटनाएं रूकने का नाम नहीं ले रही है। आतंकी लगातार दूसरे प्रदेश से आए लोगों और विशेषकर कश्मीर में रह रहे हिंदुओं को निशाना बना रहे है।

भारत में कोरोना के मामलों में तेजी, एक दिन में 4041 लोगों में कोरोना संक्रमण की पुष्टि

नई दिल्ली । भारत में कोरोना वायरस के दैनिक मामलों में एक बार फिर उछाल देखा गया है। एक दिन में देश में चार हज़ार से ज्यादा लोगों में कोरोना संक्रमण की पुष्टि हुई है। गुरुवार को सामने आए मामले बुधवार को दर्ज हुए केस से ६६७ ज्यादा थे, वहीं शुक्रवार यानी आज दर्ज हुए नए केस गुरुवार के मुकाबले ३०० ज्यादा है।

स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा शुक्रवार को जारी अपडेट के अनुसार, देश में बीते २४ घंटो के अंदर कोरोना संक्रमण के ४ हज़ार ४१ मरीज सामने आए है। जबकि इस दौरान १० लोगों की मौत हुई है। गुरुवार को भी कोरोना के नए मामलों में वृद्धि दर्ज हुई थी।नए मामलों

में बढ़ोतरी के साथ ही देश में एक्टिव केस भी बढ़कर २१ हज़ार से ऊपर पहुंच गए हैं। एक दिन में कोविड–१६ के नए मामले सामने आने से देश में संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर ४,३१,६८,५८५ हो गई। वहीं, संक्रमण से १० और मरीजों के जान गंवाने से मृतक संख्या बढ़कर ५,२४,६५१ पर पहुंच गई है। इसके साथ ही एक्टिव केस की संख्या १६,५०६ से बढ़कर २१,१७७ हो गयी है।

गौरतलब है कि देश में सात अगस्त २०२० को संक्रमितों की संख्या २० लाख, २३ अगस्त २०२० को ३० लाख और पांच सितंबर २०२० को ४० लाख से अधिक हो गई थी। संक्रमण के कुल मामले १६ सितंबर २०२० को ५० लाख, २८ सितंबर २०२० को ६० लाख, ११ अक्टूबर २०२० को ७० लाख, २६ अक्टूबर २०२० को ८० लाख और २० नवंबर को ६० लाख के पार चले गए थे। देश में १६ दिसंबर २०२० को ये मामले एक करोड़ से अधिक हो गए थे। पिछले साल चार मई को संक्रमितों की संख्या दो करोड़ और २३ जून २०२१ को तीन करोड़ के पार पहुंच गई थी।

दून वैली मेल

संपादकीय

धामी की चमत्कारिक जीत

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने चंपावत उपचुनाव में बड़ी जीत दर्ज की है इस जीत के साथ ही उनके पांच साल तक मुख्यमंत्री बने रहने का रास्ता साफ हो गया। खटीमा सीट पर मार्च 2022 के चुनाव में हारने के बाद भी भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने उन पर जो भरोसा जताया जिसके कारण वह दोबारा मुख्यमंत्री बन सके अब उस भरोसे के अनुरूप काम करने और उस पर खरा उतरने की चुनौती अब उनके कंधों पर है। इसके साथ ही इस उपचुनाव में चंपावत की जनता का जो प्यार उन्हें मिला है उनकी अपेक्षा को पूरा करना भी उनका उत्तरदायित्व होगा। चुनाव प्रचार के दौरान वह जिस ऐतिहासिक जीत का भरोसा जनता से चाहते थे उसे जनता ने पूरा कर दिया है अब उनकी बारी है कि वह चंपावत की जनता की उम्मीदों को कितना पूरा करते हैं। यह जीत जितनी बड़ी है उतनी बड़ी जिम्मेवारी भी अब धामी पर है। 2022 के विधानसभा चुनाव में प्रदेश की जनता ने भाजपा को लगातार दूसरी बार सत्ता में लाकर एक इस मिथक को तोड़ा था कि कोई दल दोबारा सत्ता में बना नहीं रह सकता वहीं भाजपा को बड़े बहुमत के साथ सत्ता में वापसी कराई थी। भले ही 2017 के चुनाव के मुकाबले भाजपा की 10 सीटें कम हुई लेकिन 2022 की जीत भी बहुत बड़ी जीत थी इससे पूर्व 2017 में 70 में से 57 सीटें जीतकर भाजपा ने इतिहास बनाया था। अब सीएम धामी को चंपावत उपचुनाव में उन्हें 55025 मतों से जिता कर एक और इतिहास रच दिया है। अब तक कोई भी मुख्यमंत्री इतने बड़े मतांतर से चुनाव नहीं जीता है। इससे पूर्व हुए उपचुनाव में पूर्व मुख्यमंत्री विजय बहुगुणा ही ऐसे नेता थे जिन्होंने सितारगंज से उपचुनाव लड़ा था और वह 40000 से भी अधिक वोटों से चुनाव जीते थे। लेकिन मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अब इस रिकॉर्ड को तोड़ दिया है। उनके नाम आज दर्ज इस ऐतिहासिक जीत में उन्होंने कांग्रेस प्रत्याशी निर्मला गहतोड़ी को 55025 वोटों से हराया जो पहाड़ के लिए बहुत बड़ा अंतर है उनके इस रिकॉर्ड को शायद ही अब कोई तोड़ सकेगा। हालांकि चुनावी हवा धामी के पक्ष में थी यह अनुमान तो सभी को था लेकिन उनकी जीत इतनी बड़ी भी हो सकती है ऐसा किसी ने भी नहीं सोचा था। मतदान का 94 फीसदी से अधिक वोट किसी एक प्रत्याशी के पक्ष में पड़े यह सिर्फ चमत्कार ही माना जा सकता है और चमत्कार कभी-कभी ही होते हैं। अब थोड़ी बात कांग्रेस और काग्रेस प्रत्याशी निर्मला गहतोड़ी की भी करें जिन्हें वह 3147 वोट ही मिले जो कुल मतदान का 4 फीसदी के करीब है। उनकी जमानत भी जप्त हो गई। कांग्रेस के हरीश रावत करण माहरा और यशपाल आर्य सरीखे नेता जो धामी को फिर पटखनी देने का दावा कर रहे थे उन्हें कांग्रेस की वर्तमान स्थिति पर गौर करने की जरूरत है। दो विधान सभा और एक लोकसभा चुनाव में शर्मनाक हार के बाद जो कांग्रेसी नेता आसमान में देख रहे है उन्हें जमीन पर उतरने और जमीनी हकीकत को समझने की जरूरत है।

प्रार्थना पत्र अवैध रूप से हस्तांतरित करने पर सूचना आयोग सख्त

नगर निगम के अधिकारियों को भेजा पैनल्टी नोटिस

संवाददाता

देहरादून। सूचना प्रार्थना पत्र पर सूचना ना देने पर सूचना आयुक्त ने नाराजगी जाहिर करते हुए नगर निगम के दो अधिकारियों को पैनल्टी लगाने हेतु नोटिस जारी कर दस दिन में सूचना उपलब्ध कराने के आदेश दिये।

सूचना उपलब्ध कराने से बचने के लिये सूचना प्रार्थना पत्र अन्य लोक सूचना अधिकारियों को अवैध रूप से हस्तांतरित करने तथा नियम 5(ग) के अन्तर्गत सूचना न उपलब्ध कराने पर कड़ा रूख अपनाते हुये सूचना आयुक्त अर्जुन सिंह ने सूचना अधिकार कार्यकर्ता नदीमउद्दीन की अपील पर नगर निगम देहरादून के दो लोक सूचना अधिकारियों पर पैनल्टी लगाने हेतु नोटिस दिया है। काशीपुर निवासी सूचना अधिकार कार्यकर्ता नदीमउद्दीन ने नगर निगम देहरादून के लोक सूचना अधिकारी से नगर निगम की मीटिंग तथा अन्य प्रभार वाले अधिकारियों से सम्बन्धि 9 बिन्दुओं पर सूचना मांगी। पूर्ण सूचना न मिलने पर प्रथम अपील की गयी। प्रथम अपीलीय अधिकारी द्वारा 10 दिन में निःशुल्क सूचना उपलब्ध कराने का आदेश करने पर भी वांछित सूचना नहीं उपलब्ध करायी गयी। इस पर उत्तराखंड सूचना आयोग को द्वितीय अपील की गयी।

उत्तराखंड सूचना आयोग में अपील सं. 33297 में सुनवाई सूचना आयुक्त अर्जुन सिंह के समक्ष हुई। सूचना आयुक्त ने नदीम की अपील के आधारों से सहमत होते हुये सूचना अधिकार अधिनियम 2005 की धारा 6(3) तथा उत्तराखंड सूचना अधिकार नियमावली 2013 के नियम 5(ग) के प्रावधान को स्पष्ट करते हुये अपने अन्तरिम आदेश 17 मई 2022 में लिखा कि जिन अधिकारियों को सूचना प्रार्थना पत्र मिला है वह मुख्य रूप से सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के अन्तर्गत लोक सूचना अधिकारी है और सूचना भेजने हेतु वे ही उत्तरदायी है और एक ही लोक प्राधिकारी (विभाग/निगम) के अन्तर्गत एक से अधिक लोक सूचना अधिकारियों से सम्बन्धित सूचना होने पर सूचना का अधिकार नियमावली 2013 के नियम 5(ग) के परन्तुक के प्राविधान के अनुसार अनुरोध पत्र अन्तरण की कार्यवाही नहीं हो सकती है। इसलिये प्रार्थना पत्र प्राप्त करने वाला लोक सूचना अधिकारी, सम्बन्धित (अन्य लोक सूचना अधिकारियों/कर्मचारियों) से सूचना एकत्रित/संकलित करते हुये सूचना अपीलार्थी को भेजना सुनिश्चित करेंगे। सूचना आयुक्त अर्जुन सिंह ने लोक सूचना अधिकारी/कर अधीक्षक विनय प्रताप सिंह को आदेशित किया कि अपीलार्थी के सूचना प्रार्थना पत्र के बिन्दु 3.1,3.2,3.3 तथा 3.4 की सूचना आगामी एक सप्ताह में पंजीकृत डाक से निःशुल्क अपीलार्थी को प्रेषित करना सुनिश्चित करेंगे और उसकी सूचना साक्ष्यों सहित आगामी सुनवाई की तिथि को आयोग के समक्ष प्रस्तुत करेंगे। सूचना आयुक्त अर्जुन सिंह ने नदीम की प्रार्थना पर समय से सूचना उपलब्ध न कराने पर नगर निगम देहरादून के लोक सूचना अधिकारी/कर अधीक्षक विनय प्रताप सिंह तथा लोक सूचना अधिकारी/मुख्य नगर स्वास्थ्य अधिकारी डा० अविनाश खन्ना को सूचना अधिकार अधिनियम की धारा 20(1) के अन्तर्गत 250 रूपये प्रतिदिन की दर से शास्ति (पैनल्टी) लगाने की कार्यवाही के लिये कारण बताओ नोटिस जारी किया। दोनों लोक सूचना अधिकारी आगामी सुनवाई की तिथि 17 जून 2022 से पूर्व अथवा इस तिथि तक अपना लिखित स्पष्टीकरण आयोग को उपलब्ध करायेंगे तथा स्वयं भी उपस्थित रहेंगे।

'जिला स्तरीय अधिकारियों के प्रतिनिधियों को अपने अधिकारी के न आने का प्रमाण प्रस्तुत नहीं करने पर बैठक से बाहर निकाला '

मुनस्यारी। जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक में जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने जिला स्तरीय अधिकारियों के प्रतिनिधियों को अपने अधिकारी के नहीं आने का प्रमाण प्रस्तुत नहीं करने पर बैठक से बाहर निकाल दिया। जिला पंचायत सरमोली वार्ड के २५ ग्राम पंचायतों के विकास के लिए कार्य योजना बनाई गई।

जिला अधिकारी पिथौरागढ़ के आदेश पर मुख्य विकास अधिकारी द्वारा जारी सूचना पर आज जिला पंचायत सदस्य वार्ड सरमोली की योजनाओं को लेकर विकास खंड के सभागार में हुई बैठक में जिला स्तरीय अधिकारियों की कम उपस्थिति देखकर जिपं सदस्य जगत मर्तोलिया ने गहरी नाराजगी जताई। कहा कि बिना कारण अनुपस्थित रहने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्यवाही के लिए डीएम के माध्यम से मुख्य सचिव उत्तराखंड को लिखा जायेगा। मुख्य सचिव ने कोई कार्रवाई नहीं की तो वे उच्च न्यायालय में जनहित याचिका दायर कर कर त्रिस्तरीय पंचायत का अपमान करने वाले अधिकारियों की सेवा पंजिका में प्रतिकूल प्रविष्टि करा कर ही दम लेंगे।

उन्होंने कहा कि त्रिस्तरीय पंचायत के सदस्यों की बैठक को अधिकारीगण हल्के में न ले। बैठक में कालामुनि से लेकर नया बस्ती तक पांगर, बुरांश, बांज आदि प्रजाति के पौधों का रोपण बड़े पैमाने पर इस साल किया जायेगा।

मल्ला जोहार तथा रालम के उच्च हिमालय क्षेत्र में रोजगार देने वाले पौधों का रोपण किया जायेगा। कृषि, पशुपालन, उद्यान, जड़ी बूटी शोध संस्थान से २५ ग्राम पंचायतों के लिए फील्ड में जाकर कार्ययोजना तैयार कर एक सप्ताह के भीतर प्रस्तुत करने के लिए कहा गया।

बैठक में कृषि विभाग से स्थानीय राजमा के बीज को पायलट प्रोजेक्ट की तरह संरक्षित करने के लिए तीन दिन के भीतर योजना बनाने को कहा गया।

बस स्टैंड में एक एटीएम लगाने, बंगापानी, मुनस्यारी बाजार, मदकोट, क्वीटी, नाचनी में बैंकों के भीतर आधार कार्ड बनाने की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक कार्यवाही करने को कहा गया। आम आदमी का बीमा हो, इसके लिए ग्राम स्तर पर कैंप लगाने पर भी लींड बैंक के साथ सहमति हुई।

वन विभाग की मदद से तीन गांवों में नर्सरी की स्थापना की जायेगी। तल्ला घोरपट्टा को मुर्गी पालन के लिए चयनित किया गया है। इस गांव की ५० महिलाओं को एसबीआई आरसीटी पिथौरागढ़ के माध्यम से प्रशिक्षित किया जायेगा। बैठक में तय किया गया है कि खेती के उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने के लिए कृषि एवं जलागम विभाग यहां एक आउटलेट बनायेगा। जिसमें किसानों के उत्पाद को बेचा जाएगा।

जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने कहा कि आज की बैठक में तय किए गए कार्यों की समीक्षा जिलाधिकारी तथा मुख्य विकास अधिकारी के सम्मुख किया जायेगा।

बैठक में मुख्यचिकित्साधिकारी डां एचएस ह्यांकी, जड़ी बूटी शोध संस्थान गोपेश्वर के डां बीपी बहुगुणा, जल संस्थान के ईई अवधेश कुमार,जल निगम के ईई मदन पुरी, जिला लीड बैंक अधिकारी अमर सिंह ग्वाल, चाय विकास बोर्ड के उप प्रबंधक केशर सिंह गंगोला, भूमि संरक्षण अधिकारी रीतेश कुमार सहित दर्जनों विभागों के अफसर मौजूद रहे।

कश्मीर में पैदा हो गए हैं 1990 के दशक वाले हालातः संजय राउत

मुंबई। कश्मीर में हो रही टारगेट किलिंग को लेकर शिवसेना नेता संजय राउत ने केंद्र सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि ३७० को निरस्त करने के बावजूद कश्मीरी लोगों के जीवन में कोई सुधार नहीं हुआ। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि घाटी के मौजूदा हालात १९९० के दशक जैसे हो गए हैं।

कश्मीर में बीते दिनों से लगातार हिन्दू और सरकारी कर्मचारी आतंकियों की गोली का निशाना बन रहे है। पहले कश्मीरी पंडित राहुल भट्ट, फिर हिन्दू शिक्षिका रजनी बाला, उसके बाद बैंक मैनेजर विजय कुमार और अब १७ वर्षीय दिलकुश कुमार, बीते कुछ ही दिनों में आतंकियों ने इन लोगों की हत्या कर दी।

इन हत्याओं को लेकर संजय राउत ने कहा, आज कश्मीर में वही हालात पैदा हो गए हैं जो १९९० के दशक में थे। बीजेपी सरकार पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा, आपने कश्मीरी पंडितों की घाटी में वापसी की बात की और हिंदुत्व के नाम पर उसी पर वोट हासिल किए। लेकिन जम्मू–कश्मीर से धारा ३७० को निरस्त करने के बावजूद लोगों के जीवन में कोई सुधार नहीं हुआ है। कश्मीर के ताजा हालातों को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जम्मू–कश्मीर के उपराज्यपाल के साथ आपात बैठक बुलाई है।

गौरतलब है कि घाटी में बीते २६ दिन में १० लोगों की हत्या आतंकी कर चुके हैं। कश्मीर के अनंतनाग में सरकारी कर्मचारी राहुल भट्ट की हत्या के बाद से सुरक्षा कैंप में रह रहे कश्मीरी पंडित पिछले २२ दिनों से प्रदर्शन कर रहे हैं।

त्वं वरुण उत मित्रो अग्ने त्वां वर्धन्ति मतिभिर्वसिष्ठाः।
त्वे वसु सुषणनानि सन्तु यूयं पात स्वस्तिभिः सदा नः।।
(ऋग्वेद ७–१२–३)

हे अग्निदेव ! आप मित्रवत् और वरणीय है। हम मननीय स्तुतियों द्वारा अपने अंदर आपका वर्धन करते रहें। आप की उपासना द्वारा सच्चे धनों की वृद्धि करते रहें। आप अपने कल्याणकारी कृत्यों द्वारा हमारा सदैव रक्षण करें।

O Fire God ! You are friendly and worthy of faith. May we continue to grow your light inside us by adoring you with conscientiousness. We may keep on increasing true common wealth for all by worshipping you. May you always protect us with your welfare actions.
(Rig Veda 7-12-3)

एसएसपी ने पुलिस लाईन परिवहन शाखा का किया निरीक्षण

हमारे संवाददाता

अल्मोड़ा। प्रदीप कुमार राय एसएसपी अल्मोड़ा द्वारा आज पुलिस लाईन अल्मोड़ा मे परिवहन शाखा का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एसएसपी द्वारा पुलिस के राजकार्य में प्रयोग किये जाने वाले वाहनो के फिटनेस, रख-रखाव की जानकारी ली गई। पुलिस लाईन परिवहन शाखा के उपस्थित सभी वाहन चालकों को निर्देशित किया गया कि यातायात नियमों का पालन करते हुए वाहन चलाये व अपने-अपने वाहनों का रख-रखाव, साफ-सफाई का विशेष ध्यान दे।

इस दौरान उन्होने पुलिस लाईन परिवहन शाखा प्रभारी को निर्देशित किया कि सभी वाहनो की फिटनेस, सर्विसिंग समय से करा ले और सभी वाहनों के ईधन की आपूर्ति समय से करें। जिससे पुलिस के राजकार्य सुचारु रुप चलाया जा सके। निरीक्षण के दौरान परिवहन शाखा प्रभारी एचसी कुशल सिंह, कानि. विरेन्द्र सिंह, मनोज कुमार , चालक नारायण, गोविन्द कुमार, अजय जोशी, विजय आगरी, व चालक धीरज बोरा आदि मौजूद रहे।

गांजे के साथ एक को गिरफ्तार

देहरादून (सं)। पुलिस ने गांजे के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार डोईवाला कोतवाली पुलिस ने चैकिंग के दौरान डिग्री कालेज के पास एक व्यक्ति को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से एक किलो 300 ग्राम गांजा बरामद कर लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम रविन्द्र सिंह पुत्र दर्शन सिंह निवासी राजीव नगर केशवपुरी बस्ती बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

चोरों ने मकान का ताला तोड जेवरात उडाये

देहरादून (सं)। चोरों ने बंद मकान का ताला तोडकर वहां से लाखों रूपये के जेवरात व नगदी चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार शिवपुरी कालोनी निवासी धनवीर सिंह ने रायपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह परिवार के साथ 22 मई को बाहर गया था आज जब वह वापस आया तो उसने देखा कि उसके मकान का ताला टूटा हुआ था तथा अन्दर सारा सामान बिखरा हुआ था। चोर उसके घर से लाखों के जेवरात व नगदी चोरी करके ले गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

ग्राहक बनकर दबोचा गया तस्कर, एक किलो चरस बरामद

हमारे संवाददाता

नैनीताल। चरस तस्करी में लिप्त एक शातिर को पुलिस ने कल देर शाम एक किलो से अधिक चरस सहित गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को पकड़ने के लिए पुलिस को ग्राहक बनना पड़ा। तब जाकर उक्त शातिर पुलिस के घेरे में आ सका।

जानकारी के अनुसार कल देर शाम थाना बनभूलपुरा पुलिस को सूचना मिली कि लम्बे समय से क्षेत्र में एक नशा तस्कर चरस की सप्लाई कर रहा है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ग्राहक बनकर तस्कर से चरस खरीदने पहुंच गई। जिसे बनभूलपुरा स्लाटर हाउस से लगभग 50 मीटर की दूरी पर गौलापुल की ओर सड़क पर 1 किलो 50 ग्राम चरस सहित गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में उसने अपना नाम आसिफ खाँ, पुत्र स्व. सद्दन खाँ, निवासी रोडवेज डिपो के सामने काठगोदाम बताया। बताया कि वह चरस को थोडी-थोड़ी मात्रा में पर्वतीय क्षेत्रों से इकट्ठा करके बनभूलपुरा एवं हल्द्वानी क्षेत्र में फुटकर में बेचा करता था।

मुख्यमंत्री धामी की जीत पर की विशेष रुद्राभिषेक और पूजा-अर्चना

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। चंपावत चुनाव में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की ऐतिहासिक विजय पर पौराणिक श्री टपकेश्वर महादेव और माता वैष्णो देवी गुफा योग मंदिर टपकेश्वर में आज विशेष रुद्राभिषेक और पूजा–अर्चना का कार्यक्रम रखा गया।

संतो ब्राह्मणों और श्रद्धालु भक्तों ने मुख्यमंत्री के दीर्घायु जीवन की कामना की और देव भूमि उत्तराखंड के सुख शांति और समृद्धि की मंगल कामना की गई।

इस अवसर पर एक दूसरे को मिठाई बांटी गई और मुख्यमंत्री को बधाई भी दी गई। इस अवसर पर टपकेश्वर महादेव के संत राज पाल गिरी जी महाराज, माता वैष्णो देवी गुफा योग मंदिर टपकेश्वर के संस्थापक आचार्य बिपिन जोशी पंडित भरत जोशी, पण्डित अतुल शर्मा, हर्षपति रयाल, दीपेंद्र नौटियाल, गणेश विजलवान सहित काफी संख्या में श्रद्धालु भक्त उपस्थित रहे।

कार्यक्रम संयोजक आध्यात्मिक गुरु आचार्य बिपिन जोशी ने बताया मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की ऐतिहासिक जीत

की मंगल कामना के साथ पौराणिक श्री टपकेश्वर महादेव मंदिर देहरादून, माता वैष्णो देवी गुफा योग मंदिर टपकेश्वर महादेव देहरादून, हर की पैड़ी हरिद्वार, कपलेश्वर महादेव मंदिर चम्पावत, क्रान्तेश्वर महादेव मंदिर चंपावत, मां कल्याणपुर भगवती मंदिर पहाड़पानी, श्री यंत्र मंदिर डोल आश्रम अल्मोड़ा, चितई गोलू देवता मंदिर, जागेश्वर धाम, पाताल भुवनेश्वर, हाट काली मंदिर गंगोलीहाट, आदि स्थानों में चार धाम से लाए गए पवित्र अमृत जल से जलाभिषेक पूजा करते हुवे आज भक्तजन गोलू देवता मंदिर चम्पावत में मुख्यमंत्री की चम्पावत चुनाव में ६० प्रतिशत से भी अधिक मतों से विजय श्री की कामना के साथ न्याय देवता गोलू देवता के दरबार में अर्जी लगाई गई थी।

विशेष पूजा अर्चना की पूजा अभियान दल में टपकेश्वर महादेव मंदिर के श्री महंत १०८ कृष्ण गिरी जी महाराज, कार्यक्रम संयोजक और आध्यात्मिक गुरु आचार्य बिपिन जोशी, समाजसेवी मनोहर लाल जुयाल, हरीश चौरसिया, सौरभ सिंह रावत आदि शामिल थे माननीय मुख्यमंत्री जी को प्रसाद भेंट करने के साथ विजय श्री का आशीर्वाद दिया गया था।

केदारनाथ में घोड़े-खच्चरों की मौत पर कैबिनेट मंत्री को ज्ञापन सौंपा

संवाददाता

देहरादून। केदारनाथ में घोडे, खच्चरों की मौत पर सारथी फाउन्डेशन ने पशुपालन मंत्री सौरभ बहुगुणा को ज्ञापन देकर इसकी रोकथाम की मांग की।

आज यहां सारथी फाउन्डेशन योगेश वर्मा ने चारधाम यात्रा में तीर्थयात्रियों के साथ घोड़े, खच्चरों की मौतें लगातार बढ़ रही हैं. केदारनाथ यात्रा मार्ग पर घोड़े-खच्चरों की मौत का उन्होंने कड़ी नाराजगी प्रकट की। अभी तक केदारनाथ धाम में 90 से अधिक घोड़े-खच्चरों की मौत हो गई। पशुपालन मंत्री सौरभ बहुगुणा से बात कर घोड़े-खच्चरों की मौत के मामले में हस्तक्षेप करने को कहा है। बता दें कि, अभी तक केदारनाथ धाम में 90 से अधिक घोड़े-खच्चरों की मौत हो गई। केदारनाथ धाम में तीर्थयात्रियों की भीड़ के कारण जानवरों पर दबाव न पड़े बाबा केदार के भक्तों को 18 किमी की दूरी तय करनी होती है. इस दूरी में यात्री को धाम पहुंचाने में घोड़ा-खच्चर अहम भूमिका निभाते हैं. लेकिन इन जानवरों के लिए भरपेट चना, भूसा और गर्म पानी भी नहीं मिल पा रहा है। संचालक एवं हॉकर रुपए कमाने के लिए घोड़ा-खच्चरों से एक दिन में गौरीकुंड से केदारनाथ के दो से तीन चक्कर लगवा रहे हैं और रास्ते में उन्हें पलभर भी आराम नहीं मिल पा रहा है, जिस कारण वह थकान से चूर होकर दर्दनाक मौत के शिकार हो रहे हैं। मंत्री पशु पालन मंत्री सौरभ बहुगुणा ने बताया पशु पालन के लिए विशेष टीम गठित की गई है मोनेट्रिंग कर रही है। उन्होंने कहा कि वहां पर उचित बंदोबस्त किया जा रहा है। इस अवसर पर रेनू रतोंला, प्रभा देवी, नीरू त्यागी , शिवम गौड़, पुनीत मित्तल, शारूख आदि मौजूद थे।

कोटद्वार प्रवेश मार्ग का होगा कायाकल्पः खंडूडी

संवाददाता

कोटद्वार। विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खुंडूडी भूषण ने कहा कि पुलिस चौकी से आरटीओ चौकी तक के मार्ग के दोनों और आध्यात्मिक एवं संस्कृति से ओतप्रोत भित्ति चित्र को लगवाया जाएगा जिससे कि कोटद्वार आने वाले लोगों एवं पर्यटको को कण्वनगरी कोटद्वार में पहुंचने पर सुखद अहसास हो सके।

आज यहां गढ़वाल के प्रवेश द्वार कोटद्वार में आने वाले यात्रियों को नगर में प्रवेश पर जहां सुखद अहसास होगा, वहीं उन्हें क्षेत्रीय संस्कृति की भी जानकारी मिल सकेगी। जिसके लिए उत्तराखंड विधानसभा अध्यक्ष व स्थानीय विधायक ऋतु खंडूडी भूषण ने कौडिया में पुलिस चौकी से आरटीओ चौकी मार्ग पर सौंदर्यीकरण की कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। विधानसभा अध्यक्ष ने कौडिया में स्थानीय प्रशासन व पुलिस प्रशासन के साथ संयुक्त रुप से स्थलीय निरीक्षण कर कोटद्वार के प्रवेश मार्ग को सुंदर एवं आकर्षित बनाने के लिए अधिकारियों के साथ वार्ता कर कुछ जरूरी सुझाव एवं निर्देश दिए। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि पुलिस चौकी से आरटीओ चौकी तक के मार्ग के दोनों और आध्यात्मिक एवं संस्कृति से ओतप्रोत भित्ति चित्र को लगवाया जाएगा जिससे कि कोटद्वार आने वाले लोगों एवं पर्यटको को कण्वनगरी कोटद्वार में पहुंचने पर सुखद अहसास हो सके।

उन्होंने कहा कि सड़क के दोनों ओर इंटरलॉकिंग टाइल्स लगाकर फुटपाथ बनाया जाएगा साथ ही सोलर लाइट लगा कर प्रकाश व्यवस्था को चकाचौंध किया जाएगा। विधानसभा अध्यक्ष ने प्रवेश द्वार को भी पेंटिंग एवं लाइटिंग से आकर्षित बनाने की बात कही साथ ही उन्होंने चक्रवर्ती सम्राट राजा भरत की बड़ी मूर्ति लगवाए जाने की भी बात कही। इस दौरान मौके पर उपस्थित आर्किटेक्ट से विधानसभा अध्यक्ष ने उत्तराखंड की संस्कृति एवं परंपराओं को ध्यान में रखते हुए लोकल सामग्री जिनमें पठाल, रिंगाल आदि का उपयोग किए जाने के लिए कहा। इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष ने अधिकारियों को शीघ्र ही कार्य योजना बनाने के निर्देश दिए। विधानसभा अध्यक्ष ने पुलिस चौकी एवं आरटीओ चौकी का भी निरीक्षण किया साथ ही चौकी को हाईटेक बनाने एवं सभी व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। इस दौरान प्रभारी उप जिला अधिकारी प्रमोद कुमार, नायब तहसीलदार विकास अवस्थी सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

जल्दी से जल्दी वजन कैसे कम करें? काम आएंगे ये टिप्स

बदलती लाइफस्टाइल और खराब खान-पान के चलते अधिकतर लोगों को वजन बढने की शिकायत का सामना करना पड़ता है. इससे निपटने के लिए तमाम तरह के टिप्स अपना चुके लोगों को अपने रहन-सहन में बदलाव करना होगा, जिससे आपका वजन कंट्रोल में रह सके. तो आज हम आपके लिए ऐसे छोटे-छोटे टिप्स लेकर आए हैं, जिसे फॉलो करने के बाद आसानी सी जल्दी से जल्दी वजन कम होने लगेगा.

रोज सुबह पिएं एक गिलास पानी

माना जाता है कि अगर आप रोज सुबह खाली पेट 1-2 गिलास पानी पिएंगे तो इससे आपका पेट फिट रहेगा और पाचन शक्ति भी मजबूत होगी. इसको नियामित तौर पर करने से वजन भी कंट्रोल में रहेगा. कई रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ऐसा करने से मेटॉबॉल्जिम भी बढ़ता है, जिससे आपका वजन नहीं बढ़ता है.

खाने से आधे घंटे पहले पेट भर पानी पिएं

इसके अलावा आप खाने से आधा घंटा पहले पेट भर के पानी पी सकते हैं. इससे आपको फायदा मिलेगा. दरअसल, ऐसा करने से आपको अधिक भोजन खाने का मन नहीं करेगा और आप अपका वजन कंट्रोल में आ जाएगा. हालांकि, कमजोरी न आए, इसलिए आप अपनी डाइट में ड्राई फ्रूट्स को भी अपनी डाइट में जरूर शामिल करें.

इन चीजों को खाने से बचें

- इसके अलावा ज्यादा ऑयली चीजें जैसे- बर्गर, पिज्जा खाने से बचें. इससे न सिर्फआपका वजन बढ़ता है बल्कि कई प्रकार की समस्याएं भी आपके घरेने लगती हैं.

- शुगर युक्त चीजों का सेवन कम से कम करना चाहिए, क्योंकि इससे भी आपका वजन बढ़ सकता है. ऐसे में आपको सीमित मात्रा में शुगर का सेवन करना चाहिए.

- जो लोग एक्सरसाइज नहीं करते हैं, उन्हें आज से ही अपनी खराब आदतों को बदलना होगा, ताकी किसी भी प्रकार की दिक्कत न हो.(आरएनएस)

चूड़ी पहनने में होती है दिक्कत ? तो अपनाएं ये तरीके

जैसे ही किसी महिला का वजन बढ़ता है वैसे ही न सिर्फकपडे छोटे और टाइट हो जाते हैं इसके साथ उन्हें चूडियों को पहनने में भी काफी दिक्कत आती है. कई बार जब महिलाये थोड़ा हाथों और चूड़ी पर दबाव डाल के चूड़ी पहनने की कोशिश करती हैं ऐसे में चूड़ी ही टूट जाती है. इसके कारण चोट लगने की भी सम्भवना होती है. इसलिए हम आपको बताने जा रहे हैं की वजन बढने के बाद भी किस तरह से आप चूडियों को आराम से पहन सकते हैं. चलिए जानते हैं.

चूडियां पहनते समय फॉलो करें ये टिप्स

प्लास्टिक ग्लव्स

आप प्लास्टिक ग्लव्स की मदद से भी आसानी से हाथों में चूडियां पहन सकती हैं. सबसे पहले इसके लिए आपको एक प्लास्टिक के हैंड ग्लव्स की जरूरत होगी जो कि आपको बाजार में आसानी से मिल जाएगा. हाथों में अच्छे से प्लास्टिक हैंड ग्लव्स पहन ले और फिर टाइट चूड़ी को गोल-गोल घुमाते हुए कलाई में डालें. एक बार अंगूठे की हड्डी को चूड़ी जैसे ही पार कर ले उसे कलाई तक लाना आसान हो जाता है. इसके बाद आप हैंड ग्लव्स को रिमूव कर दें. इस विधि से आप कांच और मेटल दोनों ही तरह की चूडियों को पहन सकती हैं.

वेजिटेबल प्लास्टिक

वेजिटेबल प्लास्टिक आपको बाजार में आसानी से मिल जाएगी. इस प्लास्टिक की मदद से भी आप चूड़ी पहन सकते हैं. वेजिटेबल प्लास्टिक से अपने हाथों को अच्छी तरह से साफकर लें. इससे प्रक्रिया में आपको जरा सी भी तकलीफनहीं होगी. जब आपकी हथेली अच्छी तरह से प्लास्टिक में रात हो जाए. इसके बाद एक-एक करके चूडियों को पहन ले. इस तरह से आप बहुत जल्दी चूडियां पहन सकेंगी.

हैंड क्रीम

सबसे आसान तरीका होता है. हैंड क्रीम को हाथों में लगाकर चूड़ी पहनने का आप अपने हाथों में मॉइश्चराइजर या फिर कोई भी हैंड क्रीम लगा सकती हैं. आप इसके अलावा घी या फिर नारियल के तेल का भी इस्तेमाल कर सकती है, लेकिन इससे आपके हाथ ज्यादा चिकने हो जाएंगे. इसीलिए आप हैंड क्रीम को ही लगाना प्रेफर करें.(आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

घर पर आसानी से बनाया जा सकता है डियोड्रेंट, जानिए तरीके

गर्मियों में पसीने की बदबू और चिपचिपाहट से बचाने में डियोड्रेंट काफी मदद कर सकता है, लेकिन मार्केट की बजाय घर पर ही इसे बनाकर इस्तेमाल करें। दरअसल, मार्केट में मौजूद अधिकतर डियोड्रेंट केमिकल्स से युक्त होते हैं, जिनके इस्तेमाल से त्वचा को नुकसान पहुंच सकता है। आइए आज हम आपको पांच तरह के डियोड्रेंट बनाने के तरीके बताते हैं, जिनका इस्तेमाल न सिर्फकाफी असरदार है बल्कि त्वचा के लिए सुरक्षित भी है।

बेकिंग सोडा और कॉर्नस्टार्च डियोड्रेंट

बेकिंग सोडा और कॉर्नस्टार्च से बना डियोड्रेंट पसीने को जल्दी सोखने और गंध पैदा करने वाले कीटाणुओं को खत्म करने में सहायक है। सबसे अच्छी बात यह है कि ये दोनों सामग्रियां किसी भी किराने की दुकान से आसानी से मिल सकती है। डियोड्रेंट बनाने के लिए एक कंटेनर में छह चम्मच कॉर्नस्टार्च और एक चम्मच बेकिंग सोडा मिलाएं। ध्यान रखें कि इस मिश्रण में पानी नहीं मिलाना है। इसके बाद इस मिश्रण का इस्तेमाल अपनी कांख पर करें।

नारियल के तेल और क्लारी सेज एसेंशियल ऑयल का डियोड्रेंट

नारियल के तेल और क्लारी सेज एसेंशियल ऑयल से बना डियोड्रेंट संवेदनशील त्वचा के लिए सुरक्षित है और इसका इस्तेमाल आपको तरोताजा महसूस कराने में मदद करेगा। डियोड्रेंट बनाने के लिए सबसे पहले एक पैन में पानी गर्म करके उसके अंदर एक कटोरी रखें, फिर उसमें शिया बटर और नारियल का तेल मिलाएं। इसके बाद इसमें ग्रेपफ्रूट और क्लारी सेज एसेंशियल ऑयल और विटामिन-श्व ऑयल मिलाएं। अब गैस बंद करके इसे ठंडा होने दें और आपका डिओडोरेंट तैयार है।

लेमनग्रास डियोड्रेंट स्प्रे

लेमनग्रास की खुबियों से भरपूर डियोड्रेंट पसीने के कीटणुओं को दूर करके त्वचा को साफऔर महकाने में मदद कर सकता है। डियोड्रेंट बनाने के लिए सबसे पहले एक स्प्रे बोतल में सेब का सिरका, लैवेंडर एसेंशियल ऑयल, लेमनग्रास एसेंशियल ऑयल और टी ट्री एसेंशियल ऑयल मिलाएं, फिर इसमें डिस्टिल्ड वॉटर डालकर अच्छी तरह मिलाएं। अब बोतल का ढक्कन लगाएं, फिर इस मिश्रण का इस्तेमाल बतौर डियोड्रेंट करें।

शिया बटर और कोकोआ बटर का डियोड्रेंट

डियोड्रेंट बनाने के लिए सबसे पहले एक पैन में पानी गर्म करके उसके अंदर एक कटोरी रखें, फिर उसमें शिया बटर और कोकोआ बटर समेत अपने पसंदीदा एसेंशियल ऑयल की कुछ बूंदें डालें। जब शिया बटर और कोकोआ बटर पिघल जाए तो उसमें बेकिंग सोडा और अरारोट पाउडर मिलाएं। अब गैस बंद करके इस मिश्रण को 24 घंटे के लिए ढककर रख दें, फिर इसे फ्रिज में सेट होने के लिए रखें। इसके बाद आपका डियोड्रेंट तैयार हो जाएगा।

गुलाब जल और लैवेंडर एसेंशियल ऑयल का डियोड्रेंट

गुलाब जल शरीर की दुर्गंध को दूर रखने में बेहद कारगर है और यह पसीने के उत्पादन को कम करने में भी मदद करता है, जबकि लैवेंडर एसेंशियल ऑयल में मौजूद गुण त्वचा को पोषण प्रदान करने के साथ इसे महकाने में सहायक है। डियोड्रेंट बनाने के लिए एक स्प्रे बोतल में ताजा गुलाब जल, सेब का सिरका, लैवेंडर एसेंशियल ऑयल और टी ट्री ऑयल मिलाएं। अब इसका इस्तेमाल बतौर डियोड्रेंट करें। (आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -090

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :

1. पानी, नीर, अंबु 2. आना-जाना, आवागमन 5. बहुत, बढ़िया 6. दूर रहने वाला (घटना) जो वर्तमान में न घट सके 8. अबोध, नासमझ, अनाड़ी 10. सब्जी, शाक 11. निशान, उद्देश्य, अनुमान योग्य वस्तु 12. नाखून 13. द्रव पदार्थ 15. सूनसान, जनविहीन स्थान 16. चटकीला, चमकीला, चटपटा, गौरैया 18. भगवान, खुदा 19. इन दिनों, वर्तमान दिनों में 20. अग्नि, पावक 21. अन्नकण, अनाज का टुकड़ा 22. टालमटोल, बहाने बाजी 24. भैया की पत्नी 25. पांच से छोटी एक विषम संस्था 26. हत्या, कत्ल.

ऊपर से नीचे

1. दुनिया, संसार, ठोस रूप में परिवर्तित करना 2. चमक, पानी 3. बाजीगर, जादू का खेल दिखाने वाला 4. एक पंजाबी प्रेमगीत, रांझा की प्रेमिका 5. मार-काट, खून-कत्ल 7. भूमि, जमीन, भू-भाग 9. बहुत बड़ा दानी, 10. संगीत के सुरों की संख्या 14. लचीला, लोचयुक्त 17. खिसकना, अपने स्थान से हटना, विचलित होना 19. प्रवेश करना, पधारना, आना 20. धूप-दीप से पूजा 22. इसी समय 23. गुस्सा, कहर.

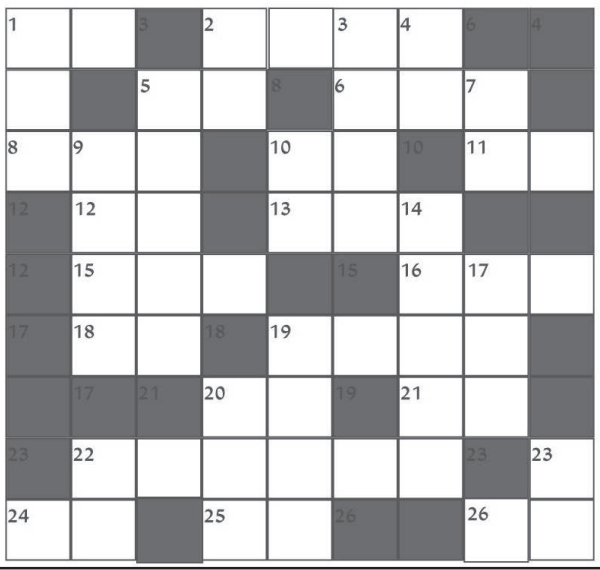

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 089 का हल

स्वा	द		सा	म	ना		कै	दी
व		ख	ल	ना	य	क		वा
लं	प	ट		ना	क	क	ट	ना
बी		प				ड़ी		प
	अ	ट	प	टा			शा	न
स	ह		यो			र	ति	
ह	म		द	र	ब	द	र	
म	क	र		सी	ल			
त		क्षा		द	वा	खा	ना	

भूषण कुमार और कार्तिक आर्यन के हाथ लगी हैट्रिक

बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन और कियारा आडवाणी की मूवी भूल भुलैया 2 निस्संदेह इस वर्ष की पारिवारिक मनोरंजन मूवी है। भूल भुलैया 2 दूसरे शनिवार यानी 9वें दिन शानदार 1०० करोड़ के क्लब में शामिल हो गई है।

इसी के साथ कार्तिक आर्यन की मूवी ने बैक टू बैक फ्लॉप हो रही मूवीज के मध्य कमाल दिखाते हुए रिकॉर्ड भी बना लिया है। कुछ रिपोर्ट्स का कहना है कि एक्टर कार्तिक आर्यन और निर्माता भूषण कुमार की मूवी ने न केवल विश्वभर के दर्शकों से बड़े पैमाने पर प्रशंसा जीती बल्कि 1०9.92 करोड़ की कमाई कर बॉक्स ऑफिस पर भी राज करती हुई दिखाई दे रही है।

रिपोर्ट्स के अनुसार भूल भुलैया 2 से पहले दर्शकों ने भूषण कुमार और कार्तिक आर्यन की ब्लॉकबस्टर सोनू के टीटू की स्वीटी को भी खूब प्यार लुटाया था। इस मूवी ने 1०8 करोड़ का कलेक्शन भी कर लिया था। इतना ही नहीं भूल भुलैया 2, पति, पत्नी और वो और सोनू के टीटू की स्वीटी जैसी मेगाहिट्स मूवीज देने वाली ये निर्माता और अभिनेता की जोड़ी जनता का मनोरंजन करना जारी रखेगी क्योंकि दोनों ने मूवी शहजादा के लिए हाथ मिलाया है जो इस साल के अंत में रिलीज की जाने वाली है।

वरुण धवन ने जल्द ओटीटी डेब्यू के दिए संकेत

बॉलीवुड अभिनेता वरुण धवन, जो अपनी आगामी फिल्म जुग जुग जीयो के नए ट्रैक का अनावरण करने के लिए राजधानी में थे, उन्होंने डिजिटल डेब्यू करने पर एक रहस्यमय ढंग से जवाब दिया है। मुझे नहीं लगता कि मैं इस बारे में ब्योरा दे सकता हूं। लेकिन कुछ काम चल रहा है.। सूचना और प्रौद्योगिकी की चिंताओं में दुनिया छोटी होती जा रही है। कुछ विधाएं हैं जो स्ट्रीमिंग पर अच्छा काम करती हैं और कुछ सिनेमाघरों में हैं लेकिन निश्चित रूप से दर्शक कंटेंट देखना चाहते हैंवे निश्चित रूप से मनोरंजन करना चाहते हैं। अभी जो भी माहौल है, हम मनोरंजन चाहते हैं। हम हंसना और आनंद लेना चाहते हैंवरुण अपनी सह-अभिनेता कियारा आडवाणी के साथ आगामी फिल्म के पहले ट्रैक द पंजाब का अनावरण करने के लिए नई दिल्ली में थे, जिसमें अनिल कपूर और नीतू कपूर भी हैं। तलाक की अवधारणा पर आधारित यह फिल्म 24 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। जुग जुग जीयो का निर्देशन राज मेहता ने किया है।

एनटीआर की 1००वीं जयंती पर एनबीके1०7 के निमार्ताओं ने जारी किया फिल्म का पोस्टर

महान अभिनेता, फिल्म निर्माता और आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एन.टी. नंदामुरी बालकृष्ण की आगामी फिल्म एनबीके1०7 के निमार्ता रामा राव ने एक नया पोस्टर जारी किया है। नंदामुरी बालकृष्ण और गोपीचंद मालिनेनी, जिन्होंने क्रमश अपनी पिछली फिल्मों अखंड और क्रैक के साथ अपने करियर की सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर दी थी। अब वो इस बहुप्रतीक्षित फिल्म के लिए सहयोग कर रहे हैं।

पोस्टर में अखंड अभिनेता को सफेद और सफेद पहने हुए दिखाया गया है, क्योंकि वह अपने प्रतिद्वंद्वी को हथियार से मारते हुए एक्शन मोड में दिखाई दे रहा है।

टॉलीवुड के प्रमुख प्रोडक्शन हाउस मायथ्री मूवी मेकर्स द्वारा निर्मित इस फिल्म का वर्किंग टाइटल एनबीके1०7 है।

अभिनेत्री श्रुति हासन नंदामुरी बालकृष्ण के साथ महिला प्रधान भूमिका निभाती हैं, जबकि तमिल अभिनेत्री वरलक्ष्मी सरथकुमार भी एक महत्वपूर्ण भूमिका में दिखाई देंगी। प्रसिद्ध कन्नड़ हस्ती दुनिया विजय इस फिल्म के साथ टॉलीवुड में अपनी शुरूआत कर रहे हैं।

वेंकटेश, वरुण तेज के लिए एफ3 ने की सबसे बड़ी ओपनिंग

निर्देशक अनिल रविपुडी ने वादे के मुताबिक अपनी ब्लॉकबस्टर फिल्म एफ2 की अगली कड़ी एफ3 की डिलीवरी की है। आलोचकों की प्रशंसा बटोरने में असफल होने के बावजूद, फिल्म पारिवारिक दर्शकों के साथ अच्छा प्रदर्शन करती दिख रही है। फिल्म की इकाई के अनुसार, एफ3 ने निजाम में 4.०6 करोड़ रुपये, आंध्र प्रदेश में 5.०5 करोड़ रुपये और सेडेड में 1.26 करोड़ रुपये कमाए, जिससे पहले दिन की कुल कमाई 1०.37 करोड़ रुपये हो गई।

यह वेंकटेश और वरुण तेज का एक दिन का सबसे बड़ा कलेक्शन होने की उम्मीद लगाई जा रही है। कम टिकट की कीमतों के साथ नहीं जाने की दिल राजू की रणनीति फिल्म के लिए अच्छी तरह से भुगतान कर रही है।

आश्चर्यजनक रूप से, फिल्म के पिछले दो शो ने तेलुगु राज्यों में इसके पहले दो शो की तुलना में काफी अधिक कमाई की। यह फिल्म के लिए एक अच्छा संकेत है, जिसे दर्शकों से औसत दर्जे की समीक्षा मिली है।

शनिवार और रविवार को फिल्म की बुकिंग ठीक-ठाक नजर आ रही है।

दूसरी ओर, फिल्म ने पहले दिन 5००,००० डॉलर की कमाई करते हुए, प्रीमियर शो सहित, एक मजबूत विदेशी शुरूआत की।

लोगों को जोडऩे वाली फिल्म से ज्यादा खूबसूरत कुछ नहीं: फातिमा सना शेख

बॉलीवुड एक्ट्रेस फातिमा सना शेख वेब सीरीज मॉडर्न लवरू मुंबई की रात रानी के चलते काफी चर्चाओं में हैं। उन्हें अपने शानदार अभिनय के कारण दर्शकों से काफी प्यार मिल रहा है।

रात रानी में फातिमा लाली नाम की एक लडक़ी का किरदार निभा रही हैं, जो खुले दिल की और तेजतर्रार लडक़ी हैं। वह अपने पार्टनर से मिले धोखे के कारण टूट जाती हैं, लेकिन समय के साथ वह बदलने लगती है और खुद से प्यार करने लगती हैं। फातिमा सना शेख कहती हैं, मैं यह देखकर बहुत खुश हूं कि दर्शक मेरे किरदार से जुड़ रहे हैं। खास बात यह है कि लोग मेरे साथ अपनी कहानियां साझा कर रहे हैं। यह एक ऐसी फिल्म जो लोगों को जोड़ती है और लोगों को प्रेरित करती है। मैं लोगों से मिले प्यार से बेहद खुश हूं।

वर्कफ्रंट की बात करें तो, मॉडर्न लवरू मुंबई के अलावा, फातिमा सना शेख विक्की कौशल की फिल्म सैम बहादुर में नजर आने वाली हैं। यह फिल्म रिलीजिंग के लिए बिल्कुल तैयार है। वहीं रतना पाठक शाह, दीया मिर्जा और संजना सांघी की फिल्म धक धक के लिए फातिमा तैयारी कर रही हैं।(आरएनएस)

जाह्नवी कपूर हुई ऊप्स मोमेंट का शिकार

करण जौहर की पार्टी में कई हसीनाएं छोटे-छोटे कपड़े पहनकर आईं. कुछ के कपड़े इतने ज्यादा छोटे थे कि वो खुद ही उन्हें बार-बार नीचे खींचते दिखीं तो कई हसीनाएं इतने ज्यादा रिवीलिंग कपड़े पहनकर पार्टी में पहुंच गईं कि उनके कपड़े ही खिसक गए. इस पार्टी में बाकी हीरोइनों की तरह जाह्नवी कपूर भी रिवीलिंग कपड़े पहनकर आई थीं. लेकिन कैमरे में उनका ऊप्स मोमेंट कैद हो गया.

इस खास मौके पर जाह्नवी कपूर पिंक कलर का थाई स्लिट गाउन पहनकर पहुंची थीं. एक्ट्रेस की ये ड्रेस ना केवल डीप नेक की वजह से रिवीलिंग थी बल्कि बैकलेस भी थी.

अपने इस लुक को पूरा करने के लिए जाह्नवी कपूर हाई हील्स पहने हुई थीं. इसके साथ ही एक्ट्रेस लाइट मेकअप के साथ ओपन हेयर की हुई थीं. जिसमें वो बला की खूबसूरत लग रही थीं.

करण जौहर की पार्टी में जाह्नवी कपूर जैसे ही पहुंचीं तो सभी की नजरें उन पर अटक गईं. कैमरे के सामने पोज देने के लिए जाह्नवी इस रिवीलिंग ड्रेस में जैसे ही कैमरे के पास से गुजरी तो साइड से ड्रेस का हल्का सा उठा होने की वजह से उनका ऊप्स मोमेंट कैमरे में कैद हो गया और एक्ट्रेस का वीडियो सुर्खियों में आ गया.

खास बात है कि जाह्नवी कपूर ने करण जौहर की पार्टी के लुक की तस्वीरें खुद भी सोशल मीडिया पर शेयर की हैं. इन तस्वीरों को एक्ट्रेस ने जैसे ही शेयर किया तो फैंस उनके लुक की जमकर तारीफकरने लगे.

जाह्नवी कपूर ने फिल्म धडक़ से अपने करियर की शुरुआत की थी, जिसमें उनकी जोड़ी ईशान खट्टर के साथ नजर आई. फिल्म में उनकी एक्टिंग की जमकर तारीफ हुई. इन दिनों जाह्नवी कपूर के पास बवाल, बॉम्बे गर्ल, रणभूमि, गुड लक जेरी, दोस्ताना 2 और तख्त जैसी एक से बढक़र एक फिल्में हैं. (आरएनएस)

दिव्या खोसला कुमार के आगे यंग एक्ट्रेसेस भी फीकी पड़ जाती है

करोड़ों की संपत्ति के मालिक और टी-सीरीज के चेयरमैन भूषण कुमार की पत्नी दिव्या खोसला कुमार भले ही बॉलीवुड की चुनिंदा फिल्मों में नजर आई हैं लेकिन अपने लुक्स और सोशल मीडिया पोस्ट से वो फैंस का ध्यान खींचती रहती हैं। उम्र के इस पड़ाव में भी दिव्या न केवल गजब की हॉट लगती हैं बल्कि इनका स्टाइल इतना ट्रेंडी है, जिसे देखकर यकीन करना मुश्किल हो जाता है कि इनका 11 साल का एक बेटा भी है।

दिव्या खोसला कुमार अपना ख्याल कुछ ऐसे रखती हैं कि उनके आगे यंग एक्ट्रेसेस भी फीकी पड़ जाती है। ऐसा हम यूं ही नहीं कह रहे हैं बल्कि इसका उदाहरण उनकी हॉट तस्वीरें। जो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल होती रहती है। दरअसल, इस बार दिव्या ने अपनी जो तस्वीरें शेयर की हैं, उसमें उन्होंने अपनी ऑरिजिनल इंडियन ब्यूटी को फ्लॉन्ट करते हुए सेक्सीनेस का तडक़ा लगाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है।

दरअसल, दिव्या खोसला कुमार ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें वह इतनी ज्यादा ग्लैमरस-सेंसुअस और हॉट लग रही हैं कि लोगों के लिए उनकी तस्वीरों से नजरे हटाना मुश्किल हो रहा है। इन तस्वीरों में उन्होंने पेस्टल पिंक कलर का रफल गाउन पहने हुए देखा जा सकता था। अपनी स्लिम-ट्रिम बॉडी को फ्लॉन्ट करने के लिए करोड़पति खानदान की बहू ने इस ऑउटफिट को लंदन बेस्ड लग्जरी फैशन हाउस से पिक किया था, जिसमें हॉटनेस का एलिमेंट शो करने में उन्होंने कोई कसर नहीं छोड़ी थी। ऑउटफिट का पैटर्न फिगर हगिंग रखा गया था, जिस वजह उनके कर्व्स एकदम बढिय़ा से हाइलाइट हो रहे थे।

इस अटायर के फ्रंट में स्लिट दी गई थी, जो नी-हाई पोर्शन तक रखी थी। ये डिटेल न केवल ओवरऑल लुक के स्टाइल कोशंट को बढ़ा रही थी बल्कि इसमें दिव्या को अपनी स्मूथ लेग्स फ्लॉन्ट करते भी देखा जा सकता था।

इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि दिव्या की ऑउटफिट में ऐसे कई एलिमेंट्स थे, जो उसे बोल्ड लुक दे रहे थे। लेकिन ड्रेस में बनी प्लंजिंग डीपकट नेकलाइन ऐसी थी, जो अदाकारा के लुक में बोल्डनेस का तडक़ा लगाने का काम कर रही थी।

ऐसा इसलिए क्योंकि पतले फैब्रिक से बनी ड्रेस के साथ दिव्या ने पिंक कलर की ब्रालेट को मैच किया था, जिसे हाइड करने की जगह उन्होंने इसे हाइलाइट करके लुक को दोगुना ज्यादा सेक्सी बना दिया था। वहीं इसके शोल्डर्स को सेट-इन लुक में रखा था, जो लुक को टू हॉट टू हैंडल बनाते दिखे।

वैसे दिव्या तो हमेशा ही अपनी खूबसूरती से लोगों को सरप्राइज कर देती हैं। लेकिन इस अटायर को उन्होंने जिस तरह से स्टाइल किया था, उसमें उनकी नैचुरल स्किन टोन एकदम बढिय़ा से फ्लॉन्ट हो रही थी। अदाकारा ने अपने लुक को कम्पलीट करने के लिए रिफाइंड मेकअप लुक अचीव किया था, जिसके साथ उन्होंने अपनी आईलिड पर फ्लैश-टोंड पिंक शैडो लगाया था।

वहीं उन्होंने अपनी लैशलाइन के पास एक क्रीमी और सॉफ्ट स्मोकी काजल लगाया था, जिसके साथ बेसिक लाइनर और मस्कारा के साथ अपने मेकअप को फिनिश किया था। वहीं नेक पोर्शन कवर करने के लिए अदाकारा ने गले में पोल्की से बना लेयर्ड नेकपीस डाला था, जो लुक में एक फोकस पॉइंट क्रिएट करता दिखा।

दिव्या खोसला आखिरी बार फिल्म सत्यमेव जयते 2 में नजर आई थीं। अभिनय के साथ-साथ वो निर्देशन और प्रोड्क्शन के क्षेत्र में भी अपने हाथ आजमा चुकी हैं।

मनुष्य हाल-फिलहाल समर्थ नहीं!

हरिशंकर व्यास

पृथ्वी को बचाने का मानव संसाधन कहां है? वह कितना समर्थ और समझदार है? क्या संभव है जो चंद ज्ञानी-विज्ञानी-सत्यवादी देवर्षियों के सामर्थ्य से पृथ्वी बच जाए? वे जलवायु जैसे खतरों का वैज्ञानिक-मैकेनिकल उपायों से समाधान निकाल लें? मानव वंशज के संरक्षण की दूसरे ग्रह में बस्ती बना ले? मान लें आईसीयू के उपायों से पृथ्वी सौ-दो साल जिंदा रहे, अमेरिका जैसे विकसित देशों के अग्रणी पचास हजार लोग मरते-खपते मंगल ग्रह पर बस्ती बसा लें तो मनुष्य भीड़ (तब तक 11-12 अरब लोग) का क्या बनेगा? हमारी-आपकी, मौजूदा आठ अरब लोगों की दो-तीन पीढ़ी बाद की संतानों को तो अग्नि, जल, वायु के प्रलय में वैसे ही मरना है, जैसे तब पृथ्वी मरते हुए होगी!

प्रलय का मुहाना-19रू मनुष्य प्रकृति की लंबी-चौड़ी विवेचना से लगेगा कि इंसान समझ से परे है। हालांकि विज्ञान के आईने में सब कुछ साफऔर पारदर्शी है। यह खामोख्याली फालतू है कि मनुष्य खास प्रकृति का। वह भी पशुओं जैसी बॉयोलॉजिक रचना है। जिस खोपड़ी-दिमाग के कारण मनुष्य को किंगडम एनिमेलिया अलग जीव बनने का मौका था वह पशुगत विरासत में जाया हुआ। चिम्पांजी की तरह मनुष्य टोलों (धर्म, नस्ल, देश) में रहता है। यदि पशुओं के व्यवहार अनुसार व्यक्ति के स्वभाव की तुलना करेंगे तो समझ आएगा कि मनुष्य न केवल किंगडम एनिमेलिया का विस्तार है, बल्कि पशुओं के स्वभावों का वर्णसंकर मिक्स है। स्वभाव की भिन्नताओं में उसका अलग-अलग व्यवहार होता है। ह्यूमन एनिमेलिया में अधिकतम लोग भेड़-बकरी स्वभाव की प्रजाति हैं। फिर स्वामित्ववादी जंगली राजा, गड़ेरिए लोग हैं। शोषक, मोटे सुअर माफिक धनपशु हैं। इनसे अलग बिरले स्वभाव के ज्ञानी-मानव वे हैं जो हंस की तरह दूध-पानी को अलग-अलग करके पीने में समर्थ हैं। ये सत्य के मोती चुगते देवर्षि हैं।

यांत्रिकता से मुश्किल

वैज्ञानिकों को आगे शोध करना चाहिए कि पृथ्वी की प्रकृति, कॉस्मिक ऊर्जाओं के असर की तो यह माया नहीं जो सभी जीव-जंतु (मनुष्य सहित) गुण-अवगुण, स्वभाव-व्यवहार की भिन्नताओं के अलग-अलग दिमाग लिए हुए हैं। कहीं कॉस्मिक ऊर्जाओं-प्रकृति के नियमों की वजह से तो दिमागों की भिन्नता और उनकी यांत्रिकता व नियति की जिंदगी नहीं है?

बुनियादी बात पृथ्वी को बचाने का मानव संसाधन कहां है? वह कितना समर्थ और समझदार है? क्या संभव है जो चंद ज्ञानी-विज्ञानी-सत्यवादी देवर्षियों के सामर्थ्य से पृथ्वी बच जाए? वे जलवायु जैसे खतरों का वैज्ञानिक-मैकेनिकल उपायों से समाधान निकाल लें? मानव वंशज के संरक्षण की दूसरे ग्रह में बस्ती बना ले? मान लें आईसीयू के उपायों से पृथ्वी सौ-दो साल जिंदा रहे, अमेरिका जैसे विकसित देशों के अग्रणी पचास हजार लोग मरते-खपते मंगल ग्रह पर बस्ती बसा लें तो मनुष्य भीड़ (तब तक 11-12 अरब लोग) का क्या बनेगा? हमारी-आपकी, मौजूदा आठ अरब लोगों की दो-तीन पीढ़ी बाद की संतानों को तो अग्नि, जल, वायु के प्रलय में वैसे ही मरना है, जैसे तब पृथ्वी मरते हुए होगी!

संभव है ऐसी बातें आपको फालतू, झूठ-मूठ में डराने की निराशावादी, कपोल कल्पित लगती हो।

यही मनुष्य खोपड़ी की अज्ञानता, सामूहिक नामसझी का प्रमाण है। इससे जाहिर है कि पृथ्वी के आठ अरब लोगों का दिमाग बिना भविष्य चेतना के है। जैसे शेर, जंगली जानवरों को पता नहीं होता कि उनकी प्रजाति विलुप्त होती हुई है वैसे आठ अरब मनुष्यों की भीड़, उनके बाड़ों, सभ्यताओं के सामूहिक दिमाग में चिंता नहीं बनती है कि उनकी अगली पीढियां बचेंगी या नहीं? दिमाग क्योंकि पशु डीएनए का है तो ज्ञानी-विज्ञानी भले सौ-दो सौ वर्षों में पृथ्वी के खत्म होने की चेतावनी दें लेकिन आम मनुष्य की खोपड़ी में एलर्ट नहीं बनेगा।

भविष्य दृष्टि बिना मनुष्य

सचमुच आठ अरब लोगों की आबादी में चंद, एक प्रतिशत लोग भी नहीं होंगे जो मनुष्य होने की खूबी याकि ज्ञान-विज्ञान और सत्य की भविष्य दृष्टि की विशिष्टता लिए हुए हों। लोगों का वंशानुगत दिमाग पशुकाल के डीएनए डिलीट नहीं कर पाया हैं। उनकी सुध होते ही वह अचेतन है। तभी परिणाम में अमानवीय, पशुगत, नारकीय जीवन है। इस तरह का दिमाग भविष्य, आगे की पीढियों को बचाने में समर्थ नहीं हो सकता।

भविष्य का हर सिनेरियो, ज्ञान-विज्ञान का हर सत्य पृथ्वी को खतरे में बतला रहा है। विज्ञान से ज्ञात है कि पृथ्वी का नश्वर अस्तित्व (सौर्य मंडल सहित), अंनत ब्रह्माण्ड की विशाल चुंबकीय सुरंग में है और क्षणिक भी असंतुलन हुआ तो प्रलय। तात्कालिक संकट पृथ्वी की सेहत का है। सेहत के बिगडने, जर्जर होने पर बेइंतहां रिसर्च है। किन-किन कारणों, गैसों से, मनुष्य व्यवहार की प्रवृत्तियों से पृथ्वी विनाश की ओर है, यह सब समझ आ रहा है। मगर मनुष्यों की भीड़ जलवायु अनुभव के बावजूद इस रियलिटी की गंभीरता को समझने को तैयार नहीं है। क्यों?

वजह मानव भीड़ का यांत्रिक जीवन है। बुद्धिहीनता, भूख, आपसी लड़ाइयों के मानसिक विकार है। तात्कालिकता में लोगों का जीना है। दरअसल मनुष्य की चेतना और बुद्धि के संकल्प अल्पकालिक व छोटे दायरों के होते हैं। लोग रोजमर्रा की हेडलाइन में जीवन जीते हैं। आठ अरब लोगों की आबादी में यह अनुमान लगाना मुश्किल नहीं है कि कितने प्रतिशत लोग रोजाना की मजदूरी और राशन-पानी की चिंता में रहते हैं। अरबपति हों या राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री, वे भी अपनी भूख और लिप्सा में हर दिन, दिन प्रतिदिन शेयर मार्केट के उतार-चढ़ाव या उस दिन की सुर्खियों, ट्विटर के क्षण-प्रतिक्षण के ट्रेंड में खोए रहते हैं। 99.9 प्रतिशत लोगों की खोपड़ी तत्क्षण की चिंताओं, ख्यालों, एजेंडे की बंधक होती है। अभी जो होता हुआ है उसी में दिमाग सिमटा हुआ। भला यह लक्जरी कितने मनुष्यों को संभव है कि वह दिमाग-बुद्धि के पंख ले कर हंस की तरह अनंत आकाशा में उड़ता रहे। ऊपर से जमीन-जीवन की दशा-दिशा को देखते हुए भविष्य के मोती चुगे। मानवता के लिए सत्य खोजते हुए हो।

इससे भी बड़ी मुश्किल आठ अरब लोगों का कहानियों में बंधा हुआ होना है। मोटा-मोटी सन् 2020 के आंकड़ों पर अनुमान है कि पृथ्वी के 85 प्रतिशत लोगों ने धर्म और उनकी मान्यताओं के सुपुर्द अपनी जिंदगी की हुई है। सो, आठ अरब की आबादी में पौने सात अरब लोग सृष्टि को ईश्वर की माया मानते हैं। वे अपनी और पृथ्वी की चिंता में ईश्वर की पूजा करते रहेंगे लेकिन अपनी ओर से नरसंहारक परमाणु हथियार, लड़ाइयों और पृथ्वी के दोहन को नहीं छोड़ेंगे। जो पंद्रह प्रतिशत नास्तिक हैं उनमें जीवन क्योंकि अधिक भौतिकवादी है तो उनमें भी कितने प्रतिशत समझदार पृथ्वी रक्षक होंगे!

मनुष्य, पृथ्वी दोनों लावारिस!

तभी जैसे मानव समाज लावारिस है वैसे पृथ्वी भी लावारिस है। सोचें, 1.91 अरब मुसलमान पृथ्वी को अपने रंग में रंगने के मिशन पर फोकस ख्याल रखेंगे या पृथ्वी की सेहत पर? वैज्ञानिकों ने भविष्य के खाद्यान्न संकट और पर्यावरण नुकसान में पशुपालन और मांसाहार को जिम्मेवार घोषित किया है लेकिन अब्राहम की संतानें याकि पौने छह अरब ईसाई, मुस्लिम और यहूदी क्या मांसाहार का व्यवहार छोड़ सकते हैं? यही सवाल 1.16 अरब हिंदुओं के मासांहारी लोगों के व्यवहार को लेकर भी है।

सचमुच मनुष्य प्रजाति की प्रकृति है जो पृथ्वी के उपयोग का उसका व्यवहार भस्मासुरी है। तब कोर्स करेक्शन कैसे हो? और वह करेगा कौन? क्या संयुक्त राष्ट्र की घोषणाओं, पेरिस समझौते के रोडमैप से संभव है? कतई नहीं।

सू- दोकू क्र. 090

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.089 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

श्रीलंका अब किधर जाएगा

आर्थिक मुसीबतों के मारे लोगों ने सरकार के खिलाफजोरदार लामबंदी की। नतीजतन राजपक्षे परिवार की कुर्सी हिली। फिर भी यह मानने को कोई तैयार नहीं है कि इस परिवार के प्रभाव का अंत हो गया है।

श्रीलंका के आर्थिक संकट का हल आसान नहीं है। फ्लिहाल, देश अस्थिरता और अनिश्चय के बीच गोते खा रहा है। आर्थिक मुसीबतों के मारे लोगों ने सरकार के खिलाफ जोरदार लामबंदी की। उसके परिणामस्वरूप सत्ताधारी राजपक्षे परिवार की कुर्सी हिली है। हालांकि राष्ट्रपति गोटबया राजपक्षे अभी अपने पद पर कायम हैं, लेकिन उनके कई परिजनों को सत्ता से अलग होना पड़ा है। फ्लिहाल, राजपक्षे परिवार घिरा हुआ नजर आता है। लेकिन क्या यह कहा जा सकता है कि राजपक्षे परिवार का सूर्यास्त हो गया है। ये सवाल इसलिए अहम है, क्योंकि श्रीलंका को इस हाल में पहुंचाने की सबसे ज्यादा जिम्मेदारी इसी परिवार है। इस परिवार का जलवा इतना ज्यादा रहा है कि अब भी बहुत से लोग मानते हैं कि उसकी वापसी हो सकती है। इसके लिए राजपक्षे परिवार ने चालाकी दिखाई है। उसने विपक्ष के नेता रानिल विक्रमसिंघे को ढाल बनाया है। कहा जा रहा है कि फ्लिहाल रानिल राजपक्षे ब्रांड को नया रूप देने में मददगार बने हैं।

राजपक्षे परिवार के कई सदस्य फ्लिहाल पृष्ठभूमि में चले गए हैं। इनमें पूर्व प्रधानमंत्री महिंद राजपक्षे भी हैं। साथ ही बासिल राजपक्षे भी अभी सीन से गायब हैं, जो मौजूदा संकट शुरू होने के पहले देश के वित्त मंत्री थे। बासिल राष्ट्रपति गोटाबया राजपक्षे और प्रधानमंत्री महिंद राजपक्षे के भाई हैं। बताया जाता है कि

राजपक्षे खानदान में 39 व्यक्ति हैं, जो किसी ना किसी रूप में सत्ता से जुड़े हुए थे। छह सदस्य तो सर्वोच्च सरकारी पदों पर थे। बताया जाता है कि उनके अधिकार क्षेत्र में देश का लगभग 70 फीसदी बजट था। अब सिर्फगोयबया ही सत्ता में हैं। लेकिन समझा जाता है कि रानिल विक्रमसिंघे को प्रधानमंत्री बनाने के लिए राजी कर लेना राजपक्षे परिवार की एक बड़ी कामयाबी है। उनके प्रधानमंत्री बन जाने से अब सारा ध्यान उन पर केंद्रित हो गया है। अब चर्चा ऐसे सवालों पर हो रही है कि क्या रानिल सरकार देश को आर्थिक दुर्दशा के गर्त से निकाल पाएगी। इससे राजपक्षे को सांस लेने का वक्त मिल गया है। और यहीं से इस परिवार की वापसी की जमीन तैयार हो सकती है।(आरएनएस)

शर्ट की बटन खोल ईशा गुप्ता ने बढ़ाई फैंस की धड़कने

स्टनिंग ईशा गुप्ता बॉलीवुड की उन अभिनेत्रियों में शुमार की जाती हैं, जो अपनी बोल्डनेस और सिजलिंग अंदाज से फैंस के दिलों को जीतना बखूबी जानती हैं. ईशा भले ही मूवी पर्दे पर अधिक सक्रीय नहीं हैं, लेकिन सोशल मीडिया वर्ल्ड में वो अपनी बोल्ड तस्वीरों से कहर ढाने लगी है. ईशा गुप्ता ने अब एक बार फिर ब्रालेस लुक में अपनी सुपर सिजलिंग फोटोज साझा करके इंटरनेट का टेम्प्रेचर को और भी ज्यादा बढ़ा दिया है. ईशा की नई फोटोज सोशल मीडिया पर सुर्खियों में बनी हुई है. अभिनेत्री का किलर लुक फैंस को क्रेजी करने लगी है. ईशा नई फोटोज में फ्रंट ओपन ड्रेस में दिखाई दे रही है. दरअसल, एक्ट्रेस की ड्रेस के अपर पार्ट में शर्ट है और उसमें अटैच स्टाइलिश बॉटम. अभिनेत्री ने अपनी शर्ट ड्रेस के बटन को ओपन रखकर अपने लुक में बोल्डने का तडक़ा लगाना शुरू कर दिया है.

अभिनेत्री ने अपने लुक को न्यूड मेकअप और ओपन हेयर के साथ पूरा किया हुआ है. ईशा ने बोल्ड लुक में कई किलर पोज दिए हैं. कभी नजरें झुकाकर तो कभी कैमरे में देखकर फोटोज में ईशा का हर अंदाज दिलकश लग रहा है. अभिनेत्री की फोटोज को अब तक लाखों लोग लाइक कर चुके हैं. फैंस कमेंट सेक्शन में उनकी तारीफों के पुल बांध रहे हैं. फैंस गॉर्जियस, ब्यूटीफुल, वाव यार लिखकर ईशा की तारीफकरते थक पा रहे है.

मुख्यमंत्री की जीत पर एक्सससर्विस लीग ने जोशी का किया स्वागत

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की जीत पर उत्तराखण्ड एक्सससर्विस लीग के पदाधिकारियों ने सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी का स्वागत किया।

आज यहां सैनिक पुत्र और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की उपचुनाव में एतिहासिक जीत पर उत्तराखंड एक्सससर्विस लीग के पदाधिकारियों द्वारा सैनिक कल्याण मंत्री, गणेश जोशी का स्वागत किया और उन्हें चम्पावत उपचुनाव की जीत की शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर लीग के अध्यक्ष मेजर जनरल एमएल असवाल ने कहा कि यह प्रदेश के पूर्व सैनिकों का सौभाग्य है कि आज प्रदेश के मुख्यमंत्री भी सैनिक पुत्र हैं और सैनिक कल्याण महकमे की जिम्मेदारी देख रहे कैबिनेट मंत्री स्वयं ही पूर्व सैनिक रहे हैं। मुख्यमंत्री की उपचुनाव में एतिहासिक जीत में पूर्व सैनिकों का बहुत बड़ा योगदान रहा है। जिनके बीच सैनिक कल्याण मंत्री लगातार सक्रिय रहे। सैनिक कल्याण मंत्री ने कहा कि यह देवभूमि के साथ ही सैन्य भूमि भी है। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री के नेतृत्व में लगातार पूर्व सैनिकों तथा सैनिकों के कल्याण के लिए काम किया जा रहा है। प्रधानमंत्री की प्रेरणा पर ही राज्य में पांचवें धाम के तौर पर भव्य और दिव्य सैन्यधाम का निर्माण करवाया जा रहा है।

उन्होंने उत्तराखंड एक्सससर्विस लीग के पदाधिकारियों का आह्वान किया कि निमार्णाधीन सैन्यधाम का भ्रमण करें। हमारी योजना को समझें और सैन्यधाम को और भी भव्य बनाने में यदि आपका कोई सुझाव हो तो वह भी हमें दें। इसके अतिरिक्त सैनिक कल्याण मंत्री ने लीग के पदाधिकारियों की मांग पर उनको कार्यालय के जीर्णोद्धार हेतु यथासंभव सहयोग करने का आश्वासन दिया। इस अवसर सेवानिवृत ब्रिगेडियर मुकुल भण्डारी, कर्नल शशी पोखरियाल, ब्रिगेडियर आरएस रावत, ब्रिगेडियर विजय कुमार कर्नल यूएस रावत और कैप्टन नील थापा उपस्थित रहे।

धाकड़ धामीः चंपावत में..

▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

भी भाजपा ने मुख्यमंत्री पुष्कर धामी को ही दोबारा मुख्यमंत्री बनाया गया था जिनके लिए चंपावत के निवर्तमान विधायक कैलाश गहतोड़ी ने अपनी विधायकी से इस्तीफा देकर इस सीट को खाली किया था।

चंपावत उपचुनाव को भाजपा और सीएम धामी द्वारा अत्यंत ही गंभीरता से लड़ा गया था वहीं कांग्रेस जिसे अपनी हार का पूर्वानुमान था द्वारा महज औपचारिकता भर के लिए लड़ा गया था। 31 मई को हुए मतदान में चंपावत की जनता में जो उत्साह देखा गया था, के चलते मतदान का प्रतिशत 64 फीसदी तक पहुंच गया था। लेकिन 96 हजार के करीब वोटरों वाली इस सीट पर हुए 64 फीसदी मतदान का 94 फीसदी भाजपा और सीएम धामी के पक्ष में गया जिसके कारण यह जीत मुख्यमंत्री धामी और भाजपा के लिए एक ऐतिहासिक जीत बन सकी। चुनावी नतीजे आने के बाद भाजपाई खेमे में जश्न का माहौल है। वही कांग्रेस इस एक और बड़ी हार से सन्न है।

धन्यवाद के लिए शब्द नहींः धामी

▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

पर भरोसा है। बड़ी संख्या में जमा लोगों ने मुख्यमंत्री को फूल मालाओं से लाद दिया तथा जमकर ढोल दमाऊ पर नाचते नजर आए। लोगों ने पुष्कर सिंह धामी की जीत का जश्न मनाते हुए जमकर आतिशबाजी की और हमारा नेता कैसा हो पुष्कर धामी जैसा हो के नारे लगाए। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी इस बड़ी जीत पर भावविभोर दिखे उन्होंने लोगों को भरोसा दिलाया कि अब वह आपके बीच रहकर आपके लिए काम करेंगे।

सीएम धामी ने ऐतिहासिक जीत पर चम्पावत की जनता का आभार जताया

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने चम्पावत उप चुनाव में ऐतिहासिक जीत पर उत्तराखण्ड की जनता विशेष रूप से चम्पावत की जनता का आभार व्यक्त किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं उत्तराखंड की महान जनता का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। ये उसी जनता की जीत है जिसने मुझ जैसे सामान्य कार्यकर्ता को अपने सर माथे पर बिठाया है। ये आपके भरोसे की जीत है। ये जीत मुझे उत्तराखंड की जनता की सेवा में प्राणपण से जुटे रहने का आदेश दे रही है। इस मौके पर मैं अपने यशस्वी प्रधानमंत्री का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं जिनके सतत मार्गदर्शन ने मुझे इस लायक बनाया कि आज मैं उत्तराखंड की जनता के स्नेह और आशीर्वाद का पात्र हूं। प्रधानमंत्री मोदी की सेवा, साधना और तपस्या हम सभी के लिए आदर्श का एक मानक बन चुकी है। ये एक ऐसा मानक है जिसकी ओर बढ़ते हुए हम खुद को निखारते जाते हैं, जन सेवा की राह में स्वयं को मांजते जाते हैं।

चंपावत विधानसभा का ये उपचुनाव केवल जीत हार की लड़ाई नहीं थी। इस उपचुनाव की ओट में उत्तराखंड को सजाने, संवारने और प्रगति का स्वर्णिम अध्याय रचने के स्वप्न भी छिपे हुए थे। ये ५५०२५ वोटों की ऐतिहासिक जीत इन्हीं सपनो को पूरा करने के संकल्प की प्रतिध्वनि है। हमने प्रधानमंत्री मोदी के आशीर्वाद से उत्तराखंड की जनता के जीवन को सुखमय बनाने का यज्ञ शुरू किया है। ये जीत इस यज्ञ की पूर्णता की दिशा में एक अभूतपूर्व कदम साबित होगी।

मैं अपने चंपावत के लोगों को भी यकीन दिलाता हूं कि उनकी हर पुकार, हर आग्रह, हर आदेश पर मैं स्वयं सेवा में हाज़िर रहूंगा। मैं इस प्रदेश का मुख्यमंत्री हूं। मेरे जीवन का मकसद ही इस प्रदेश की सेवा है। पर एक जनप्रतिनिधि होने के नाते चंपावत के प्रति मेरे कुछ विशिष्ट उत्तरदायित्व भी हैं।

मैं पूरे मनोयोग और समर्पण से उन उत्तरदायित्वों की सिद्धि की कोशिश करूंगा। चंपावत की जनता ने विरोधियों के जिस छद्म जाल को अपनी दूरदर्शी आंखों से भेदकर मुझे ये जीत दिलाई है, उनके प्रति मेरे हृदय में सदैव के लिए विशेष आभार है। एक बार फिर से उत्तराखंड की इस महान जनता को मेरा सादर प्रणाम और अभिवादन।

मारपीट में एक नामजद

देहरादून (सं)। मारपीट कर जान से मारने की धमकी में पुलिस ने एक को नामजद कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार कृष्णा नगर कालोनी निवासी रमेश ने ऋषिकेश कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके पडोस में रहने वाले संजय साहनी उसके पास आया और उसके साथ गाली गलौच करने लगा उसने जब उसका विरोध किया तो उसने उसके साथ मारपीट करनी शुरू कर दीं। उसकी चीख पुकार सुनकर आसपास के लोग वहां पर आये तो वह उसको जान से मारने की धमकी देकर भाग गया।

दो मोटरसाईकिल चोरी

देहरादून (सं)। चोरों ने दो स्थानों से मोटरसाईकिल चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पंत मार्ग सुभाष नगर निवासी राहुल गुप्ता ने क्लेमनटाउन थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने अपनी मोटरसाईकिल घर के बाहर खडी की थी लेकिन जब वह थोडी देर बाद बाहर गया तो उसने देखा कि उसकी मोटरसाईकिल अपने स्थान से गायब थी। वहीं सपेरा बस्ती भानियावाला निवासी धर्मनाथ ने डोईवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह किसी काम से हाट बाजार गया था उसने अपनी मोटरसाईकिल हाट बाजार के बाहर खडी की थी लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसने देखा कि उसकी मोटरसाईकिल अपने स्थान से गायब थी।

पुलिस ने दोनों मुकदमें दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

मुख्यमंत्री की शानदार जीत पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व हाईकमान को दी बधाई

कार्यालय संवाददाता

हरिद्वार। चंपावत से उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी के रूप में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की बंपर जीत से उत्साहित भाजपा कार्यकर्ताओं ने पूर्व मंडी अध्यक्ष, भाजपा के वरिष्ठ नेता संजय चोपड़ा की अगुवाई में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक सहित भाजपा हाईकमान को बधाई देकर चंपावत की जनता का जताया का आभार।

इस अवसर पर पूर्व कृषि उत्पादन मंडी समिति अध्यक्ष, भाजपा नेता संजय चोपड़ा ने कहा मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की लोकप्रियता और उत्तराखंड के सर्वंगय विकास के समर्पण भाव के दृष्टिगत चंपावत की जनता ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को अपना आशीर्वाद देकर ऐतिहासिक जीत कराई है। उन्होंने कहा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक के नेतृत्व में उत्तराखंड में भारतीय जनता पार्टी नए–नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है आने वाले दिनों में उत्तराखंड में होने जा रहे क्षेत्रीय स्तर पर उपचुनाव में भी भारतीय जनता पार्टी इसी प्रकार की शानदार जीत दर्ज कराएगी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संकल्प सबका साथ, सबका विकास, दो हाथों को स्वरोजगार, भारत आत्मनिर्भर जैसी महान योजना को उत्तराखंड में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी लक्ष्य निर्धारित कर क्रियान्वित करेंगे, ऐसा विश्वास प्रतीत होता है।

उपचुनाव चंपावत में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की शानदार जीत पर भाजपा राष्ट्रीय व प्रदेश नेतृत्व को बधाई के साथ चंपावत की जनता का आभार प्रकट करते भाजपा कार्यकर्ताओं में आलोक मिश्रा, राजेंद्र पाल, सुशांत कुमार, रोहित सेठी, जय भगवान, खुशीराम, सरदार त्रिलोक सिंह, लाल चंद गुप्ता, दिलीप कुमार, पंडित मनीष शर्मा, वीरेंद्र सिंह, ओम प्रकाश, चंदन सिंह रावत, मान सिंह बिष्ट, राधेश्याम रतूड़ी, बलवीर सिंह बिष्ट, गिरीश शर्मा, पूनम माखन, रितु अग्निहोत्री, मंजू पाल, सुनीता चौहान आदि प्रमुख रूप से शामिल रहे।

कोरोना से डरे नहीं
सतर्क रहें, सुरक्षित रहें

एक नजर

छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र बॉर्डर पर तैनात जवानों ने एक-दूसरे को मारी गोली, दोनों की मौत

बस्तर। छत्तीसगढ़–महाराष्ट्र बॉर्डर पर स्थित गढ़चिरौली जिले से एक हैरान कर देने वाली खबर सामन आई है। जहां दो जवान आपसी विवाद के चलते भिड़ गए। इतना ही दोनों ने देखते ही देखते एक–दूसरे पर गोली भी चला दी। इस घटना में दोनों जवानों की मौके पर ही मौत हो गई। हालांकि अभी यह पता नहीं चला है कि विवाद की मुख्य कारण क्या था। अधकारियों ने इसके बार में ज्यादा कुछ नहीं बताया है। दरअसल, यह घटना छत्तीसगढ़–महाराष्ट्र बॉर्डर पर स्थित गढ़चिरौली जिले की बताई जा रही है।

जहां दोनों जवान नक्सल प्रभावित इलाके मरपल्ली पुलिस मदद केंद्र पर ड्यटी पर तैनात थे। बताया जा रहा है कि दोनों के बीच बुधवार शाम किसी बात को लेकर झगड़ा होने लगा। धीरे–धीरे यह बात इतनी बढ़ गई की गुस्से में आकर दोनों ने एक–दूसरे पर अपनी सर्विस राइफल से गोली चला दी। गोली की आवाज सुनकर अधिकारी और वहां पर तैनात अन्य जवान मौके पर पहुंचे। लेकिन तब तक दोनों खून से लथपथ हालत में जमीन पर पड़े थे। आनन–फानन में दोनों के शव अस्पताल लेकर जा ही जा रहे थे कि दोनों ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया।

सोनिया गांधी के बाद अब प्रियंका गांधी भी हुईं कोरोना संक्रमित

नई दिल्ली । कांग्रेस के अंतरीम अध्यक्ष सोनिया गांधी के बाद अब प्रियंका गांधी भी कोरोना संक्रमित हो गई है। इस बात की जानकारी उन्होंने खुद दी है। इसकी जानकारी देते हुए प्रियंका गांधी ने ट्वीट भी किया है। आपको बता दें कि इसे पहले शुक्रवार को सोनिया गांधी भी कोरोना से संक्रंमित हुई थी। सोनिया गांधी के कोरोना से संक्रंमित होने की खबर कांग्रेस प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने दी थी। कांग्रेस के अंतरीम अध्यक्ष सोनिया गांधी और संगठन महासचिव के सी वेणुगोपाल के बाद पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा भी कोरोना वायरस से संक्रमित हो गई हैं। प्रियंका गांधी ने शुक्रवार को ट्वीट कर यह जानकारी दी है। उन्होंने कहा, जांच में कोविड–१६ से संक्रमित होने का पता चला है। संक्रमण के हल्के लक्षण हैं। सभी दिशानिर्देशों का पालन करते हुए मैंने खुद को अपने घर पर ही पृथकवास में कर लिया है। इस पर बोलते हुए प्रियंका गांधी ने कहा, मैं उन सभी लोगों से जरूरी सावधानियां बरतने का आग्रह करती हूं जो मेरे संपर्क में आये हैं।

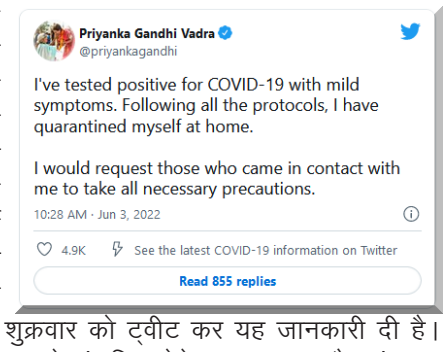

तुर्की सरकार ने देश का नाम बदलकर रखा 'तुर्किये'

नई दिल्ली । तुर्की के विदेश मंत्री मेवलुत कावुसोग्लू ने संयुक्त राष्ट्र को एक पत्र भेजकर औपचारिक रूप से अनुरोध किया है कि उनके देश को तुर्किये के रूप में संदर्भित किया जाए। संयुक्त राष्ट्र द्वारा अनुरोध को स्वीकार कर लिया गया है। सरकार द्वारा संचालित समाचार एजेंसी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। इस कदम को अंकारा द्वारा देश की छवि में बदलाव करने और पक्षी, टर्की और इसके साथ जुड़े कुछ नकारात्मक अर्थों से अपना नाम अलग करने के लिए प्रयास के हिस्से के रूप में देखा जाता है। अनादोलु एजेंसी ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतारेस के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने बुधवार देर रात पत्र मिलने की पुष्टि की है। एजेंसी ने दुजारिक के हवाले से कहा कि नाम परिवर्तन उस क्षण से प्रभावी हो गया था जब पत्र प्राप्त हुआ था। राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोआन की सरकार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त नाम तुर्की को तुर्किये (तूर–की–येय) में बदलने के लिए दबाव डाल रही है क्योंकि यह तुर्की में वर्तनी और उच्चारण है। स्वतंत्रता की घोषणा के बाद १६२३ में देश ने खुद को तुर्किये कहा था। दिसंबर में एर्दोआन ने तुर्की संस्कृति और मूल्यों का बेहतर प्रतिनिधित्व करने के लिए तुर्किये के उपयोग का आदेश दिया था, जिसमें निर्यात उत्पादों पर मेड इन तुर्की के बजाय मेड इन तुर्किये का उपयोग करने की मांग शामिल थी। तुर्की के मंत्रालयों ने आधिकारिक दस्तावेजों में तुर्किये का उपयोग करना शुरू कर दिया। इस साल की शुरुआत में, सरकार ने नाम अंग्रेजी में बदलने के अपने प्रयासों के तहत एक प्रचार वीडियो भी जारी किया था।

जीत का जश्न, ढोल की थाप पर नेताओं के ठुमके

विशेष संवाददाता

देहरादून। चंपावत उपचुनाव में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की बड़ी जीत का जश्न भाजपा मुख्यालय में मनाया गया। ढोल की थाप पर मंत्रियों, विधायकों और कार्यकर्ताओं ने खूब ठुमके लगाए। खूब गुलाल उड़ाया और आतिशबाजी भी की।

पुष्कर सिंह धामी को उपचुनाव में मिली ऐतिहासिक जीत के बाद भाजपाई खेमे में खुशी की लहर है दून से लेकर चंपावत और खटीमा तक भाजपा कार्यकर्ता और नेता खूब मस्ती कर रहे हैं। भाजपा मुख्यालय में इस जीत के जश्न में सैन्य कल्याण मंत्री गणेश जोशी सहित तमाम नेताओं और कार्यकर्ताओं

❑कांग्रेस पर भारी पड़ रहा है मोदी विरोधः कौशिक

ने जमकर ढोल की थाप पर डांस किया। इस अवसर पर नेताओं ने कांग्रेस को आईना दिखाने में भी कोई कमी नहीं रखी।

भाजपा मुख्यालय में मौजूद प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक ने कहा कि मुख्यमंत्री की इस ऐतिहासिक जीत के लिए वह चंपावत की जनता को धन्यवाद देते हैं जिन्होंने 93 फीसदी से भी अधिक मत भाजपा को देकर यह जीत दिलाई है उन्होंने कहा कि इस चुनाव से कांग्रेस को भी पता चल गया होगा कि वह कहां पर खड़ी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हर बात और उनकी सरकार के हर काम का विरोध करना अब कांग्रेसियों और कांग्रेस को समझ आ जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह अब तक की सबसे बड़ी जीत है उन्होंने कहा कि देश कांग्रेस मुक्त भले ही न हुआ हो लेकिन उत्तराखंड कांग्रेस मुक्त हो गया है, उत्तराखंड में कांग्रेस का सूर्य अस्त हो गया है। कांग्रेस प्रत्याशी को जो गिनती के वोट मिले हैं वह इस बात के साक्षी है। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं व नेताओं ने एक–दूसरे को रंग और गुलाल लगाकर तथा मिठाइयां खिलाकर जीत का जश्न मनाया। जबकि इसके विपरीत कांग्रेस मुख्यालय में सन्नाटा पसरा रहा व कोई नेता इस हार पर प्रतिक्रिया देने के लिए भी उपलब्ध नहीं दिखा।

'मैड' अपने 11वें स्थापना दिवस पर करेगी मैराथन दौड़ का आयोजन

संवाददाता

देहरादून। मेंकिग ए डिफरेंस बीइंग द डिफरेंस (मैड) संस्था के संस्थापक अभिजय नेगी ने बताया कि प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी संस्था अपने स्थापना दिवस पर नदियों को बचाने उद्देश्य से मैराथन का आयोजन कर रही है।

आज यहां प्रेस क्लब में पत्रकारों से वार्ता करते नेगी ने बताया कि संस्था दूनवासियां को शहर की सूखती नदियों के लिए जागरूक करने के लिए हर साल की तरह इस साल भी 5 जून को मैराथन का आयोजन कर रही है। उन्होंने बताया कि इस साल अपने स्थापना दिवस को एक तीन दिवसीय मेले के रूप में मना रही है। उन्होंने बताया कि संस्था की ओर से कोई प्लास्टिक फ्लेक्स नहीं छपवाया गया है उसकी जगह कपडे के ऐसे पोस्टर तैयार किये गये हैं जिन पर पर्यावरण एवं नदियों के संरक्षण के सन्देश सदस्यों द्वारा बनाये गये है। उन्होंने कहा कि पिछली बार की तरह इस बार भी दौड के दौरान किसी प्रकार के प्लास्टिक जैसे गिलास, प्लेट, चम्मच इत्यादि का प्रयोग नहीं किया जायेगा। उसकी जगह स्टील के बर्तन पूरे रास्ते में छह जगह रखे जायेंगे जहां संस्था के ही स्वयंसेवी प्रतिभागियों को पानी पिलाने का काम स्टील के गिलास से करेंगे। उन्होंने कहा कि 6 जून को मैराथन के दूसरे दिन दून इंटरनेशनल स्कूल में शाम चार बजे एक आर्ट प्रतियोगिता रखी गयी है। प्रतियोगिता के लिए किसी प्रकार की पार्टिसिपेशन फीस नहीं ली जाएगी तथा प्रतिभागियों को सारा सामान वहीं उपलब्ध कराया जायेगा। उन्होंने बताया कि इसके साथ 7 जून को मैराथन उत्सव के अंतिम दिन मैड संस्था सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा जिसमे गायन, नृत्य, संगीत बैंड, कविता, थिएटर आदि का लोग आनंद ले सकेंगे। प्रेस वार्ता में आरजी बिष्ट, शिल्पी, आशुतोष व कर्ण मौजूद थे।

युवती से दुष्कर्म करने वाला रिश्तेदार गिरफ्तार, भेजा जेल

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। प्रेम प्रसंग के जाल में फंसा तथा डरा धमकाकर युवती के साथ दुष्कर्म करने तथा घरवालों या किसी को यह बात बताने पर जान से मारने की धमकी देने वाले आरोपी को पुलिस ने कल देर रात सहारनपुर से गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के अनुसार बीती 14 मई को न्यायालय द्वारा थाना भगवानपुर कों पत्र द्वारा सूचित करते हुए बताया कि ग्राम महेश्वरी निवासी एक युवती द्वारा उनके यहां एक प्रार्थना पत्र दिया गया है। जिसमें पीड़िता द्वारा संजय कुमार पुत्र प्रताप सिंह निवासी ग्राम अम्बेहटा चांद जिला सहारनपुर जो कि पीड़िता का दूर का रिश्तेदार हैं का उसके घर पर आना जाना था, मई माह में संजय कुमार पीड़िता के घर आया उस समय सभी घरवाले रिश्तेदारी में गये हुये थे। इस दौरान संजय ने दरवाजा बन्द करते हुए उसे चाकू की नोक पर डरा धमका कर दुष्कर्म किया। साथ ही बताया गया कि इसके कुछ दिनों बाद संजय उसके स्कूल आया और उसे डरा धमका कर अपने साथ ले गया। तथा अपनी रिश्तेदारी में ले जाकर दुष्कर्म किया गया। जब पीड़िता के घर वालों ने उसकी तलाश की तो वह उसे गांव के बाहर ही छोड़कर चला गया। बताया कि संजय कुमार द्वारा कुछ दिनों बाद उसकी भाभी को फोन कर बताया गया कि पीड़िता उसकी पत्नी है और वह उसके साथ बात करना चाहता है। इस पर पीड़िता द्वारा सारी बातें परिजनों को बता दी गयी। अदालत से मिले पत्र के अनुसार पुलिस ने आरोपी संजय के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी गयी। जिसे पुलिस ने कल देर रात सहारनपुर से गिरफ्तार कर लिया गया है।

मारपीट में दोनों तरफ से आधा दर्जन नामजद

संवाददाता

देहरादून। मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने दोनों पक्षों का मुकदमा दर्ज कर आधा दर्जन लोगों को नामजद कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार शिवनगर कालोनी निवासी राम बाबू ने सेलाकुई थाने में सुरेश व उसके परिवार के खिलाफ मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने का मुकदमा दर्ज कराया। वहीं सुरेश ने भी रामबाबू व उसकी पत्नी बेटे के खिलाफ मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने का मुकदमा दर्ज करा दिया।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।